हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 289 बेमेतरा, सोमवार 15 जून 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

शादी से पहले प्रेमी के साथ पेड़ से लटका मिला युवती का शव

बर्द्धमान। शादी के एक दिन पहले सुबह दुर्गापुर-फरीदपुर ब्लॉक के जामगढ़ा इलाके में एक पेड़ से युगल का शव लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान ब्यूटी बागदी (19) और सुकुमार बागदी (23) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुकुमार का घर अंडाल के दक्षिणखंड इलाके में जबकि ब्यूटी जामगढ़ा की निवासी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। हालांकि सुकुमार पहले से विवाहित था, जिसके कारण परिवार की ओर से ब्यूटी की शादी किसी अन्य युवक से तय कर दी गई थी। रविवार को उसकी शादी होने वाली थी। लेकिन नई जिंदगी की शुरुआत से पहले ही यह दर्दनाक घटना सामने आ गई। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने दोनों के शव पेड़ से लटके हुए देखे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुर्गापुर महकमा अस्पताल भेज दिया।

भारत अब हवा में ही ढेर करेगा दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल

नईदिल्ली। भारत ने अपनी रणनीतिक मिसाइल रक्षा प्रणाली को लेकर अहम कामयाबी हासिल की है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बहुस्तरीय बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा (बीएमडी) प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। 10 और 11 जून को किए गए लगातार 3 परीक्षणों में भारत की मल्टी-लेयर्ड बीएमडी प्रणाली ने अपने लक्ष्यों को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया है। इसी के साथ भारत अब उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास ये क्षमता है। परीक्षण के दौरान इंटरसेप्टर ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। इससे एडवांस्ड और नई तकनीक से बने लेयर्ड डिफेंस सिस्टम की क्षमता साबित हुई, जिसे मिसाइल खतरों का मुकाबला करने के लिए बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि परीक्षणों के दौरान दागी गई इंटरसेप्टर मिसाइलों ने अपने निर्धारित लक्ष्यों को सफलतापूर्वक भेदते हुए खतरों को निष्क्रिय कर दिया। मंत्रालय ने बताया कि इन प्रणालियों को मिसाइल खतरों से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों से विकसित किया गया है।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे अगले सेना प्रमुख

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना के अगले प्रमुख के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। वे 30 जून को नया पद संभालेंगे। उन्हें रक्षा क्षेत्र में लंबा और शानदार अनुभव है। सेठ फिलहाल उप सेना प्रमुख के पद पर कार्यरत हैं। वे मौजूदा सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे। बता दें कि जनरल द्विवेदी का कार्यकाल इसी महीने खत्म हो रहा है। धीरज सेठ पुणे स्थित खड़कवासला राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के छात्र रहे हैं। दिसंबर, 1986 में उन्हें बख्तरबंद कोर में कमीशन मिला था।

फ्रांस में बोले पीमए मोदी

भारत की प्राथमिकता मानव आधारित टेक्नोलॉजी है-मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस के नीस शहर में 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का संयुक्त उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा भारत आज बहुत तेजी से और बड़े स्तर पर नई तकनीक और आइडियाज पर काम कर रहा है। भारत का यह काम सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के भले और एक सुरक्षित भविष्य के लिए है। फ्रांस में 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, भारत और फ्रांस की एक विशेष साझेदारी है- इसमें जुड़ाव (कनेक्शन), दृढ़ विश्वास (कन्विक्शन), नवाचार (इनोवेशन), प्रेरणा (इंस्पिरेशन) और साझा दृष्टिकोण (शेयर्ड विज़न) है। भारत के युवा इनोवेटर्स ऐसे समाधान तलाश रहे हैं, जो पूरी मानवता को लाभ पहुंचा सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा, आइए, भारत के साथ सहयोग कीजिए और दुनिया के लिए टेक्नोलॉजिकल सॉल्यूशंस विकसित कीजिए। प्रधानमंत्री ने कहा, यह 'रिफॉर्म एक्सप्रेस रुकेगी नहीं। यह जारी रहेगी। स्टार्टअप्स की संख्या में भी और बढ़ोतरी होगी। पीएम ने कहा, पिछले 12 वर्षों में, भारत ने एक मजबूत इनोवेशन सिस्टम तैयार की है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत की प्राथमिकता मानवता के लिए तकनीक

और ह्यूमन-सेंट्रिक इनोवेशन है। इनोवेशन भारत के डीएनए में है। उन्होंने कहा, भारत स्पीड और बड़े स्केल के साथ इनोवेशन करता है। भारत एक सस्टेनेबल फ्यूचर के लिए इनोवेशन करता है। भारत पूरी दुनिया के लिए इनोवेशन करता है। उन्होंने कहा, भारत-फ्रांस साझेदारी सुरक्षा से लेकर सतत विकास तक फैली हुई है। पीएम मोदी ने भारत-फ्रांस साझेदारी की सराहना की और कहा कि दोनों देश साझा मूल्यों और हितों से बंधे हुए हैं। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग मानव-केंद्रित और नैतिक होना चाहिए। ग्लोबल एआई रेस के बारे में बात करते हुए इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि भारत में इस विघटनकारी तकनीक में महारत हासिल कर दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता है। उन्होंने आगे कहा कि फ्रांस ग्लोबल एआई समिट 2027 के लिए भारत के साथ मिलकर काम करेगा। बता दें कि, प्रधानमंत्री 13 से 18 जून तक फ्रांस और स्लोवाकिया के 6 दिनों के दौरे पर हैं। पीएम बनने के बाद उनकी यह 7वीं फ्रांस यात्रा है। उनका फ्रांस दौरा दो फेज में होगा। इस दौरान 3 शहरों नीस, एवियान और पेरिस जाएंगे। वे 13-14 जून तक नीस में रहेंगे। 16 से 17 जून को एवियान में त7 समिट में हिस्सा लेंगे। 18 जून को पेरिस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ विवाटेक सम्मेलन में जाएंगे।

राष्ट्रपति मैक्रों बोले-भारत इनोवेशन का वैश्विक केंद्र

राष्ट्रपति मैक्रों ने भारत को नवाचार का देश बताते हुए कहा कि फ्रांस रक्षा, तकनीक और 'मेक इन इंडिया' जैसे क्षेत्रों में भारत का महत्वपूर्ण साझेदार रहा है। उन्होंने द्व, जलवायु परिवर्तन और नागरिक परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया। साथ ही स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी नई परमाणु तकनीकों में संयुक्त कार्य की इच्छा जताई। 14 से 16 जून तक चलने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भारत के 120 से अधिक डीप-टेक स्टार्टअप्स, 15 से ज्यादा प्रमुख शैक्षणिक संस्थान और शोध संगठन हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप्स और शोध संस्थानों को वैश्विक निवेशकों, उद्योग विशेषज्ञों और अकादमिक जगत से जोड़कर नवाचार, निवेश और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को बढ़ावा देना है।

हजारों वॉलंटियर्स ने किया श्रमदान

यमुना सफाई अभियान में उतरीं सीएम रेखा गुप्ता.......

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को मां यमुना तट पर आयोजित 'मां यमुना नदी तट सफाई अभियान' का नेतृत्व करते हुए स्वच्छता और जनभागीदारी का संदेश दिया। इस अभियान में दिल्ली सरकार के मंत्री, विधायक, भाजपा कार्यकर्ता और विभिन्न सामाजिक संगठनों के हजारों स्वयंसेवकों ने हिस्सा भी लिया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, आज यहां अलग-अलग संगठनों के हजारों वॉलंटियर्स ने 'श्रमदान' में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने भी सफाई अभियान में भाग लिया और 'श्रमदान' के ज़रिए योगदान

दिया। रविवार सुबह 6 बजे से ही यमुना की सफाई का अभियान लगातार चल रहा है। सैकड़ों ट्रक कूड़ा यहां से निकला है। रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि कई लोग यमुना में पूजन सामग्रियां, भगवान के वस्त्र और मूर्तियां और टूटे पात्र फेंक देते हैं।

जब सायोनी घोष से पूछा गया

बागी क्यों हो गई, जवाब दिया-सब पता चलेगा, मेरी आवाज आगे तक जाएगी...

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक घटनाक्रम काफी तेजी से बदल रहा है। ञ्चस्र्ष्ट के बागी सांसदों ने अब ऐलान भी कर दिया है कि वे किस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इस बीच, दिल्ली पहुंचे बागी सांसदों की पहली तस्वीर भी सामने आई। तस्वीर में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर कई नेता एक साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं, जिनमें यूसुफपठान हैं और सायोनी घोष भी हैं। इससे पहले आज जब टीएमसी की बागी सांसद सायोनी घोष दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंची, तो उनका सामना संवाददाताओं से हुआ। जब उन्होंने सायोनी से बागी होने की वजह पूछी, तो उन्होंने खुलकर कुछ नहीं कहा। सायोनी ने कहा, मुझे जो कहना है, वह मैं बोल दूंगी। अभी मुझे कुछ नहीं कहना है, जब वक्त आएगा तो सब पता चल जाएगा। मैं मीडिया को नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र की जनता को जवाब दूंगी और मेरी आवाज आगे तक जाएगी। इस बीच,टीएमसी के बागी सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है और विलय के बाद एनडीए का समर्थन करेंगे। इस मामले पर काकोली घोष का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि कि हम नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी में विलय करेंगे। हम एनडीए का समर्थन करेंगे। टीएमसी के 20 सांसदों ने स्पीकर को चिट्ठी सौंपी है और संसद में अलग बैठने की मांग की है। उन्होंने

कहा कि हम एनडीए का हिस्सा होंगे और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में काम करेंगे। बता दें कि नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी की मौजूदगी असम, त्रिपुरा, बंगाल और नॉर्थ ईस्ट में है। नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी त्रिपुरा में चुनाव लड़ी है। 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में कैलाशहर (उनाकोटी) सीट से जहांगीर अली इस पार्टी के टिकट पर लड़े थे। इससे पहले, टीएमसी के बागी गुट की कमान संभाल रहीं सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बड़ा दावा करते हुए बताया कि दो और सांसद उनके बागी गुट में शामिल होने वाले हैं, जिससे लोकसभा में उनके सदस्यों की संख्या बढ़कर 22 हो जाएगी। हालांकि, काकोली घोष दस्तीदार ने उन दो अतिरिक्त सांसदों के नामों का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि उनके नाम औपचारिक रूप से गुट में शामिल होने के बाद ही सामने लाए जाएंगे।

रक्षा मंत्री की पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी

नापाक हरकतें नहीं रोकी तो दाना-पानी कर देंगे बंद......

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के आगरा में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने देश की सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। अब सुरक्षा बलों को आतंकियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की पूरी छूट दी गई है। कार्यक्रम के दौरान

उन्होंने महाराणा प्रताप के जीवन, संघर्ष और देशभक्ति को याद करते हुए कहा कि उनका शौर्य और आत्मसम्मान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने मुगलों के सामने कभी घुटने नहीं टेके और कठिन परिस्थितियों में भी मातृभूमि की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल के सुरक्षा अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अपनी सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाने में सक्षम है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वह आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत विरोधी गतिविधियों से बाज नहीं आता, तो भारत और भी कड़े फैसले लेने पर मजबूर होगा। उन्होंने कहा कि आज विश्व मंच पर भारत की आवाज को गंभीरता से सुना जाता है ।

6 महीने की बच्ची के साथ कूदी महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर

नई दिल्ली। हैदराबाद के मियापुर इलाके में एक बहुमंजिला इमारत की छठी मंजिल से कथित तौर पर छलांग लगाने के कारण एक 37 वर्षीय महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई. जानकारी है कि उन्होंने अपनी छह महीने की बच्ची को गोद में लेकर एक अपार्टमेंट बिल्डिंग की छठी मंज़िल से छलांग लगा दी. यह घटना मयूरी नगर के लक्ष्मी प्रेस्टीज अपार्टमेंट्स में हुई. इस आत्मघाती कदम को उठाते वक्त महिला की गोद में उसकी 6 महीने की मासूम बच्ची भी थी. हैदराबाद के मियापुर में एक 37 साल की सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई. महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्ची चमत्कारिक रूप से बच गई।

आलोचना करना ही काम

देश की उपलब्धियों को कमतर आंक रहे-निर्मला

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला किया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राहुल गांधी पर भारत की उपलब्धियों को कमतर आंकने का आरोप लगाया. निर्मला सीतारमण ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में जब भी बोलते हैं, तो वह हर चीज की केवल आलोचना ही करते हैं. राहुल भारत की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं. इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा

कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को निशाना बनाने के प्रयास में देश और उसके नागरिकों की उपलब्धियों को भी कमतर आंकते हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद लगातार प्रगति कर रहा है. नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ये सब गतिविधियां दिखती ही नहीं है. निर्मला सीतारमण का राहुल गांधी पर हमला, बोलीं- सिर्फआलोचना करना ही काम बीजेपी शासन के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित विकसित भारत संकल्प समावेश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि राहुल गांधी जब भी लोकसभा में बोलते हैं, तो उनका उद्देश्य केवल सरकार की आलोचना करना होता है.

महाराष्ट्र के पंढरपुर में बड़ा हादसा

कुएं में गिरी पिकअप वैन वाहन, 14 लोगों की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

सोलापुर के पंढरपुर से एक भीषण हादसे की खबर आई है। सोलापुर में म्हसवाड-पंढरपुर मार्ग पर तांडुवाड़ी गांव के पास एक पिकअप वैन के कुएं में गिरने से एक भयानक हादसा हुआ है। इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई है। दुर्घटना में मारे गए सभी श्रद्धालु पंढरपुर के रंजनी गांव के निवासी थे। इस भयावह हादसे के बाद पूरे पंढरपुर में सनसनी फैल गई है। घटनास्थल से मिली जानकारी में बताया जा रहा है कि हादसे में शामिल श्रद्धालु पंढरपुर तालुका के रंजनी गांव के थे। ये सारे लोग एक पिकअप गाड़ी में तीर्थ यात्रा के लिए गए थे। यह हादसा तंदुलवाड़ी के पास हुआ

जब वे म्हसवड में एक मंदिर से दर्शन करके लौट रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना था कि सागर चौगुले अपने परिवार के सदस्यों को गाड़ी में साथ ले गए थे। रिपोर्ट से पता चला है कि मरने वालों में पांच से छह बच्चे भी शामिल हैं। हादसे के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। तंदूरीवाड़ी गांव के लोग तुरंत मौके पर मदद के लिए पहुंचे। तब तक सभी लोगों की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों, पुलिस और प्रशासनिक कर्मचारियों ने मिलकर कुएं से शव निकाले और शवों को अस्पताल भेजा गया। हादसे में मारे गए लोगों के नाम अभी तक सामने नहीं आए हैं। ऐसा दावा किया जा रहा है कि हादसे में मृत श्रद्धालु एक ही परिवार के थे। पंढरपुर में हुए इस हादसे के बाद महाराष्ट्र में खुले कुओं का मुद्दा चर्चा में आ गया है। बता दें कि पंढरपुर के रंजनी गांव से एक समूह मंदिर में दर्शन के लिए गया था। इस ग्रुप में महिलाएं, पुरुष और बच्चे बी शामिल थे। ये ग्रुप सिद्धनाथ मंदिर गया और वहां दर्शन किए। सिद्धनाथ के दर्शन के बाद घर लौटते समय यह हादसा हुआ। श्रद्धालुओं से भरी यह पिकअप वैन सीधे कुएं में जा गिरी। इस घटना के बाद हर तरफ अफरा-तफरी मच गई। श्रद्धालुओं की मौत के बाद पूरे इलाके में मातम छाया हुआ है।

ट्रेन में आग की अफ्वाह और कूदने लगे यात्री दूसरी ट्रेन की चपेट में आने से 8 लोगों की दर्दनाक मौत

सरायछौला थाना क्षेत्र के हेतमपुर स्टेशन के पास रविवार की दोपहर को उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग की अफ्वाह फैली। बताया जाता है कि किसी के मोबाइल में आग लगी थी, इस अफ्वाह के चलते चेन खींचकर ट्रेन रोक दी। इस बीच कई यात्री ट्रेन से कूद गए। इसी दौरान आगरा की तरफसे आ रही पातालकोट ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई है। चार मृतकों की पहचान कर ली गई है, जिनका नाम आफ्रीन पत्नी नदीम खान उम्र 35 साल निवासी सुल्तान गंज की पुलिया आगरा, उसका चार साल का बेटा असद खान तथा शकुंतला पत्नी भूरी सिंह परमार उम्र 60 साल निवासी कचहरा थोक रूनकुता आगरा, विरमा देवी पत्नी गिरधारी गिरी उम्र 60 साल निवासी गेसोरा थाना महाजन जिला बीकानेर राजस्थान है। सूचना मिलने पर सरायछोला थाना पुलिस, आरपीएफमौके पर पहुंच गई। इस पूरी घटना को लेकर उत्तर मध्य रेलवे ने बताया कि 14 जून को करीब 16:15 बजे उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के हेतमपुर-धौलपुर रेलखंड में गाड़ी संख्या 19665 खजुराहोङ्कउदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के जनरल कोच में किसी यात्री की तरफसे अलार्म चेन पुलिंग किए जाने की वजह से गाड़ी सेक्शन में रुक गई। रेलवे ने बताया कि प्राप्त प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार, गाड़ी के रुकने के दौरान कुछ यात्री ट्रेन से उतरकर समीपवर्ती रेल लाइन पर चले गए। इसी दौरान दूसरी तरफसे रही ट्रेन फ़िरोजपुर सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आने से कुछ यात्रियों के हताहत होने की जानकारी मिली है। हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे प्रशासन, रेलवे सुरक्षा बल , सरकारी रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

साल्हेओना धान घोटाला: 6 आरोपी जेल में, लेकिन जांच आखिर कब तक? कुछ तो गड़बड़ है दया की चर्चा तेज..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

साल्हेओना धान उपार्जन केंद्र में करीब 99 लाख रुपये के कथित फर्जीवाड़े के मामले में अब तक 6 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। समिति प्रबंधक, कंप्यूटर ऑपरेटर, लिपिक, भृत्य, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी और चौकीदार को पुलिस जेल भेज चुकी है, लेकिन मामले में प्राधिकृत अधिकारी और नोडल अधिकारी की भूमिका को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। मामले में जांच अधिकारी एवं थाना प्रभारी सरिया एन.एल. राठिया से फोन पर चर्चा किए जाने पर उन्होंने केवल इतना कहा कि, ÷प्रकरण में जांच चल रही है।÷ हालांकि क्षेत्र में अब यही सवाल चर्चा का विषय बन गया है कि आखिर यह जांच कब तक चलेगी? लोगों का कहना है कि शुरुआती जांच के बाद दो चरणों में कुल 6 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, फिर भी मुख्य जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर अब तक कोई स्पष्ट स्थिति सामने नहीं आई है। यदि पूरे मामले का क्रमवार अध्ययन किया जाए तो पहले समिति प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर की गिरफ्तारी हुई, फिर कुछ दिनों बाद चार अन्य कर्मचारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इसके बाद भी जांच आगे नहीं बढ़ती दिख रही है। ऐसे में क्षेत्र में लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब इतने बड़े आर्थिक घोटाले में एक के बाद एक गिरफ्तारियां हो चुकी हैं तो फिर जिम्मेदारी की अंतिम कड़ी तक जांच पहुंचने में इतनी देरी क्यों हो रही है। यही वजह है कि अब आम लोगों की जुबान पर एक ही बात सुनाई दे रही है, ÷कुछ तो गड़बड़ है दया... इस मामले को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सरिया के अध्यक्ष उग्रसेन साहू ने भी पुलिस जांच पर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि धान खरीदी केंद्र के मुख्य जिम्मेदार नोडल अधिकारी और प्राधिकृत अधिकारी हैं, लेकिन उन्हें बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यदि निष्पक्ष जांच होती तो अब तक संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय हो चुकी होती। साथ ही उन्होंने राजनीतिक दबाव में मामले को लंबा खींचे जाने की आशंका भी जताई है। फिलहाल पुलिस जांच जारी होने की बात कह रही है, लेकिन बड़ा सवाल यही है कि क्या जांच की आंच नोडल अधिकारी और प्राधिकृत अधिकारी तक पहुंचेगी या मामला केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक ही सीमित रहेगा। अब इस पूरे मामले पर प्रशासन, पुलिस और जांच एजेंसियों की अगली कार्रवाई पर सभी की नजर टिकी हुई है।

साल्हेओना धान घोटाला : कर्मचारी जेल में, लेकिन प्राधिकृत और नोडल अधिकारी पर कार्रवाई कब?

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

साल्हेओना धान उपार्जन केंद्र में करीब 99 लाख रुपये के फर्जीवाड़े के मामले में पुलिस अब तक समिति प्रबंधक, कंप्यूटर ऑपरेटर, लिपिक, भृत्य, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी और चौकीदार सहित 6 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। लेकिन इस पूरे मामले में प्राधिकृत अधिकारी और नोडल अधिकारी की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जांच में सामने आया है कि बिना वास्तविक धान खरीदी के 3140.80 क्विंटल धान की फर्जी ऑनलाइन एंट्री की गई, जिससे शासन को लाखों रुपये का नुकसान हुआ। ऐसे में लोगों का कहना है कि धान खरीदी केंद्र की निगरानी और सत्यापन की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों की थी, उनकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। स्थानीय लोगों का सवाल है कि जब इतनी बड़ी अनियमितता हुई तो क्या जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं थी? यदि जानकारी थी तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई और यदि जानकारी नहीं थी तो यह गंभीर लापरवाही का मामला है। क्षेत्र में चर्चा है कि छोटे कर्मचारियों पर तो कार्रवाई हो गई, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी और नोडल अधिकारी अब तक जांच और कार्रवाई से बाहर नजर आ रहे हैं। ऐसे में निष्पक्ष जांच को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि जांच केवल कर्मचारियों तक सीमित रहेगी या फिर पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

साल्हेओना धान उपार्जन केंद्र में 97 लाख से अधिक के फर्जीवाड़े में 4 और गिरफ्तार, पहले से ही प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर जेल में..

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में बढ़ा इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन..सड़कों पर तेजी से दौड़ने लगे EV, पर्यावरण संरक्षण के साथ ईंधन खर्च में भी राहत

सारंगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में पिछले कुछ समय से इलेक्ट्रिक व्हीकल का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। पहले जहां सड़कों पर पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहन ही अधिक दिखाई देते थे, वहीं अब इलेक्ट्रिक स्कूटर, बाइक और ई-रिक्शा की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है।

यह बदलाव लोगों की बढ़ती जागरूकता, ईंधन की बढ़ती कीमतों और कम परिचालन खर्च के कारण माना जा रहा है। जिले के शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ कस्बों में भी लोग अब इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता देने लगे हैं। वाहन विक्रेताओं का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में श्वड्ढ की मांग में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कम रखरखाव लागत, आसान चार्जिंग और पर्यावरण के प्रति बढ़ती जिम्मेदारी इसके प्रमुख कारण हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जिले में चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाई जाए और आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किया जाए, तो आने वाले वर्षों में इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग और तेज़ी से बढ़ सकता है। इससे प्रदूषण में कमी आने के साथ-साथ लोगों के अपने परिवहन खर्च में भी राहत मिलेगी। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इलेक्ट्रिक वाहनों का बढ़ता उपयोग जिले के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। प्रशासन और सरकार द्वारा स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल का प्रभाव अब स्थानीय स्तर पर भी दिखाई देने लगा है।

कथा पंडाल में कथा श्रवण हेतु पहुंचे विधायक दीपेश साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि

भगवान श्रीकृष्ण चंद्र की कथा सुनकर भावविभोर हुए श्रद्धालु

हसदा/मूक पत्रिका

आदर्श बाल मानस मंडली एवं समस्त ग्रामवासियों के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ के षष्ठम दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का रसपूर्ण वर्णन सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा व्यास पूज्य श्री मज्ज ज्योतिर्मयानंद सरस्वती जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म, बाल लीलाओं, गोपी प्रेम, माखन चोरी, कालिय दमन सहित विभिन्न प्रसंगों का मनोहारी वर्णन करते हुए रुक्मिणी विवाह की पावन कथा का श्रवण कराया। महाराज श्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन धर्म, प्रेम, नीति और लोककल्याण का संदेश देता है। उनके चरित्र का अनुकरण कर मनुष्य अपने जीवन को सफल एवं सार्थक बना सकता है। कथा के दौरान भजनों और संकीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। कथा श्रवण हेतु क्षेत्रीय विधायक दीपेश साहू विशेष रूप से उपस्थित हुए। उनके साथ जिला पंचायत प्रतिनिधि योगेश तिवारी, जनपद सदस्य रेखा पोषण सिंहा, चंद्रशेखर परगनिहा, ग्राम सरपंच हंसदा, उपसरपंच ओमप्रकाश सिंहा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने कथा का श्रवण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मा. भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा से नरेंद्र जायसवाल, महेश साहू, भीखम देवांगन, उत्तम साहू, कल्याणी सेन, लता निषाद, लोकेंद्र सेन, दिलीप टिकरिहा, रमा साहू,चेतन साहू, राजेंद्र मानिकपुरी सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। आयोजन समिति के अध्यक्ष गुहा राम साहू ने बताया कि श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ के समापन अवसर पर अंतिम दिवस महाभोग एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। समिति ने समस्त श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण करने तथा पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

विश्व रक्त दाता दिवस पर जिला अस्पताल बेमेतरा में स्वैच्छिक रक्त दान शिविर, 17 यूनिट रक्त संग्रहित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी बेमेतरा द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मानव सेवा और जीवन रक्षा के इस पुनीत अभियान में जिले के रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 17 यूनिट रक्तदान किया।

शिविर का आयोजन कलेक्टर एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी की अध्यक्ष सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलदर तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. लोकेश साहू के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम में जिला रेडक्रॉस संगठक उपेंद्र सेंगर, जीवन एक मुस्कान अनेक संस्था कुसमी-बेमेतरा के प्रतिनिधिगण, समाजसेविका एवं पार्षद नीतू कोठरी, पत्रकार संजू जैन, भारत कुमार सेन, मीडिया प्रभारी संजय तिवारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रक्तदान को बताया महादान

अतिथियों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है, जिसके माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दिया जा सकता है। उन्होंने युवाओं एवं आम नागरिकों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की। इन रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

शिविर में लक्ष्मण देवांगन, विकास पुरी गोस्वामी, ओमप्रकाश साहू, प्रमोद जोशी, रामप्रसाद निषाद, प्रहलाद साहू, रश्मि मिश्रा, सुरेश कुमार भारती, धर्मेंद्र कुमार, लवकुश दास, गोपीकिशन, लक्ष्मीकांत, डॉ. अजीत नायक, राकेश साहू, खिलेश्वर वर्मा, नितिन साहू एवं भारत कुमार सेन ने स्वैच्छिक रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। रक्तदान शिविर के सफल संचालन में रक्त संक्रमण अधिकारी डॉ. पी.आर. पोपटानी, डॉ. पवन कुमार वर्मा, डॉ. अजीत नायक, विजय कुमार दौरे (एमएलटी), भूपेंद्र कुर्रे (एमएलटी), विष्णु पटेल (एमएलटी), कुलेश्वरी साहू (ब्लड काउंसलर), हरिशंकर एवं रानी सहित जिला अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रक्तदाताओं का सम्मान

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला चिकित्सालय प्रशासन ने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके मानवीय योगदान की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि रक्तदान के माध्यम से अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है तथा ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता बढ़ाने का कार्य करते हैं। विश्व रक्तदाता दिवस पर आयोजित यह शिविर मानवता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आया।

करण चौधरी गैंग के नेटवर्क से जुड़ा आरोपी सक्ती से गिरफ्तार, क्रिकेट सट्टा संचालन और हवाला नेटवर्क में निभा रहा था सक्रिय भूमिका

रायगढ़/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर एडिशनल एसपी श्री अनिल सोनी एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक मिश्रा द्वारा जिले में सक्रिय ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा नेटवर्क के विरुद्ध लगातार बड़ी कार्रवाई की जा रही है। ÷ऑपरेशन क्लीन हंट÷ के तहत अब तक कई बड़े सट्टा खाईवालों को गिरफ्तार किया जा चुका है, वहीं पुलिस कार्रवाई के दबाव में कई आरोपियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण भी किया है। इसी क्रम में थाना साइबर रायगढ़ की टीम ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा के फरार आरोपी आकाश पंसारी पिता कैलाशचंद पंसारी उम्र 32 वर्ष निवासी ऑफिसर कॉलोनी, सक्ती को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। करण चौधरी सिंडिकेट के पूरे नेटवर्क की जांच में सामने आया आरोपी का नाम*-विदित हो कि सीएसपी श्री मयंक मिश्रा द्वारा थाना कोतवाली के अपराध क्रमांक 217/2026 एवं 218/2026 तथा ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा से जुड़े अन्य प्रकरणों में गिरफ्तार करण चौधरी गैंग के पूरे नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है। जांच के दौरान करण चौधरी के साथ मिलकर अवैध सट्टा कारोबार में संलिप्त कई व्यक्तियों के नाम सामने आए, जिनमें सक्ती निवासी आकाश पंसारी का नाम भी प्रमुख रूप से शामिल था। पुलिस को आरोपी की संलिप्तता के तकनीकी एवं वित्तीय साक्ष्य मिलने के बाद आरोपी फरार हो गया था। ऑपरेशन क्लीन हंट के तहत सक्ती से गिरफ्तार हुआ फरार आरोपी*-फरार आरोपी की पतासाजी के लिए साइबर थाना की टीम लगातार प्रयासरत थी। मुखबिर सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर थाना साइबर रायगढ़ की टीम ने सक्ती में दबिश देकर आरोपी आकाश पंसारी को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी के करण चौधरी सिंडिकेट के साथ ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा के अवैध कारोबार में सक्रिय रूप से जुड़े होने के प्रमाण मिले हैं। आरोपी क्रिकेट सट्टा खिलाने के साथ-साथ सट्टे की रकम को हवाला के माध्यम से विभिन्न स्थानों तक पहुंचाने में भी सहयोग करता था। 26 अप्रैल की कार्रवाई में छह आरोपी गिरफ्तार, लाखों की संपत्ति जब्त*-उल्लेखनीय है कि दिनांक 26 अप्रैल 2026 को साइबर सेल, थाना कोतवाली एवं थाना घरघोड़ा की संयुक्त टीम ने रायगढ़ शहर एवं घरघोड़ा क्षेत्र में ऑनलाइन आईपीएल सट्टा नेटवर्क पर एक साथ दबिश देकर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों में सोनू देवांगन, हर्षित देवांगन, भरत गोयल, गौतम भोजवानी, लक्ष्मीनारायण सिदार तथा सागर गुप्ता शामिल थे। कार्रवाई के दौरान सात मोबाइल फोन, लगभग ढाई लाख रुपये मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा 15,490 रुपये नगद जब्त किए गए थे। उक्त प्रकरण में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 218/2026 के तहत धारा 4 एवं 7 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई थी । पूछताछ में सामने आया रायगढ़ से दिल्ली तक फैला सट्टा नेटवर्क-प्रारंभिक कार्रवाई में मोबाइल फोन, डिजिटल ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड एवं नगदी बरामद होने के बाद गिरफ्तार आरोपियों से विस्तृत पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने रायगढ़ के खाईवाल करण चौधरी एवं जसमीत सिंह बग्गा उर्फ गुड्डा सरदार के इशारे पर पूरे नेटवर्क के संचालन की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने टेक्निकल इनपुट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, चैट रिकॉर्ड, डिजिटल ट्रेल एवं फाइनेंशियल एनालिसिस के माध्यम से पूरे सिंडिकेट की परत-दर-परत जांच प्रारंभ की। जांच में यह तथ्य सामने आया कि करण चौधरी अपने साथियों के साथ लंबे समय से रायगढ़, सक्ती, रायपुर, बिलासपुर से लेकर दिल्ली तक फैले नेटवर्क के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित कर रहा था। सट्टे से प्राप्त बड़ी रकम को सीधे अपने पास न रखकर परिचित कारोबारियों, पेट्रोल पंप, मेडिकल स्टोर एवं अन्य व्यावसायिक चैनलों के माध्यम से कैश डंप किया जाता था, जिसे बाद में हवाला चैनलों के जरिए आगे स्थानांतरित किया जाता था। हवाला नेटवर्क के जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करने की जांच जारी विवेचना के दौरान यह भी सामने आया कि कृष्णा प्राइड टॉवर में रहने वाले पुष्कर अग्रवाल एवं उसके पिता सुनील अग्रवाल इस पूरे मनी मूवमेंट नेटवर्क के अहम हिस्से थे तथा सट्टे से प्राप्त ब्लैक मनी को हवाला के माध्यम से व्हाइट करने का कार्य कर रहे थे।

अवैध बोर खनन करते हुए सुमित्रा बोरवेल की मशीन जब्त

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

भीषण गर्मी और लगातार गिरते भू-जल स्तर के बीच प्रशासन ने अवैध बोर खनन करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। घरघोड़ा तहसील के ग्राम रायकेरा में अवैध रूप से बोर खनन की सूचना पर तहसीलदार मनोज कुमार गुप्ता ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर छापेमारी की और सुमित्रा बोरवेल के वाहन को जब्त कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। जिले में जल संकट को देखते हुए नए बोरवेल खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद कुछ लोग नियमों को दरकिनार कर भू-जल दोहन में लगे हुए हैं। ग्राम रायकेरा में भी प्रतिबंध के बावजूद बोर खनन किए जाने की सूचना मिलने पर प्रशासन हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।वर्तमान में क्षेत्र भीषण गर्मी की चपेट में है और भू-जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। ऐसे समय में जल संरक्षण को लेकर प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि प्रतिबंध अवधि में किसी भी प्रकार का नया बोरवेल नहीं खोदा जाएगा। इसके बावजूद सुमित्रा बोरवेल द्वारा किए जा रहे अवैध खनन प्रयास पर कार्रवाई कर प्रशासन ने सख्त संदेश दिया है कि नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए अवैध खनन करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाने की मांग की है। तहसीलदार की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में भू-जल संरक्षण को लेकर प्रशासन की गंभीरता साफ नजर आई है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अधोसंरचना पर सबसे बड़ा निवेश, खनन प्रभावित गांवों की बदलेगी तस्वीर

खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास का नया अध्याय: अगले पांच वर्षों में 758 करोड़ से अधिक के 4,894 विकास कार्य होंगे धरातल पर

पहले ही वर्ष 255.55 करोड़ रुपये से 1,251 परियोजनाओं का होगा क्रियान्वयन

डेटा आधारित पंचवर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना से सेवा वितरण होगा और अधिक प्रभावी

पारदर्शी निगरानी के लिए परियोजना प्रबंधन इकाई, जियो-टैगिंग और डिजिटल डैशबोर्ड की

रायगढ़/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व तथा वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में रायगढ़ जिले के खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी एवं दूरगामी पंचवर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना तैयार की गई है। जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफटी) द्वारा वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक की अवधि के लिए तैयार इस व्यापक योजना के अंतर्गत 4,894 विकास कार्यों पर 75,823.45 लाख रुपये का निवेश किया जाएगा। योजना का उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करने के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में स्थायी परिवर्तन लाना है। विस्तृत सर्वेक्षण एवं वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर तैयार इस योजना को पीएम गति शक्ति पोर्टल तथा ग्राम संपदा पोर्टल से जोड़ा गया है, जिससे कार्यों के क्रियान्वयन, निगरानी एवं मूल्यांकन में पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। योजना के तहत वर्ष 2026-27 में 1,251 कार्यों के लिए 25,555.55 लाख रुपये, वर्ष 2027-28 में 957 कार्यों के लिए 12,875.52 लाख रुपये, वर्ष 2028-29 में 971 कार्यों के लिए 12,444.10 लाख रुपये, वर्ष 2029-30 में 841 कार्यों के लिए 12,504.80 लाख रुपये तथा वर्ष 2030-31 में 874 कार्यों के लिए 12,443.48 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। चरणबद्ध क्रियान्वयन के माध्यम से तत्काल आवश्यकताओं की पूर्ति से लेकर दीर्घकालिक विकास एवं आर्थिक स्थायित्व तक के लक्ष्यों को हासिल किया जाएगा। पंचवर्षीय योजना में शिक्षा क्षेत्र को सर्वाधिक प्राथमिकता देते हुए 1,326 कार्यों के लिए 14,974.52 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत विद्यालय अधोसंरचना, डिजिटल शिक्षा, छात्रावास एवं छात्र सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। भौतिक अधोसंरचना के 444 कार्यों के लिए 13,368.26 लाख रुपये, स्वास्थ्य क्षेत्र के 308 कार्यों के लिए 12,773 लाख रुपये तथा पेयजल आपूर्ति के 697 कार्यों के लिए 10,639.30 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास के 1,181 कार्यों पर 5,725.44 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। वहीं कृषि क्षेत्र के 139 कार्यों के लिए 5,555.97 लाख रुपये, पशुपालन के 279 कार्यों के लिए 4,054.68 लाख रुपये तथा कौशल विकास के 199 कार्यों के लिए 3,291.52 लाख रुपये, सिंचाई के 50 कार्यों के लिए 1640.72 लाख रुपये, पर्यावरण संरक्षण के 18 कार्य के लिए 1,419.52 लाख रुपये, स्वच्छता के 222 कार्य के लिए 1,178.90 लाख, वृद्ध एवं दिव्यांगजन कल्याण के 1 कार्य के लिए 904.00 लाख रुपये, ऊर्जा एवं वाटरशेड विकास के 29 कार्य के लिए 172.58 लाख तथा परियोजना प्रबंधन इकाई के 1 कार्य के लिए 125.00 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना के प्रथम वर्ष 2026-27 को क्रियान्वयन का निर्णायक वर्ष माना गया है। इस दौरान 25,555.55 लाख रुपये की लागत से 1,251 विकास कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। शिक्षा क्षेत्र में 337 कार्यों के लिए 4,891.08 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अंतर्गत धरमजयगढ़ में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) की स्थापना के लिए 640 लाख रुपये, मॉडल पब्लिक ट्रेनिंग सेंटर के लिए 800 लाख रुपये, चार सार्वजनिक पुस्तकालयों की स्थापना, चार नवीन आदिवासी छात्रावासों के निर्माण हेतु 496.80 लाख रुपये, 99 नए स्कूल भवन एवं अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के लिए 1,000 लाख रुपये तथा 144 विद्यालयों के जीर्णोद्धार हेतु 300 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। भौतिक अधोसंरचना क्षेत्र में 141 कार्यों के लिए 4,338.06 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। इसके अंतर्गत सुकरी से कटकलिया मार्ग का निर्माण 411.05 लाख रुपये तथा बारमूड़ा से उकसापाली मार्ग का निर्माण 342.40 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। साथ ही 130 पुल-पुलियों एवं सड़क संपर्क कार्यों पर 1,525 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 56 कार्यों पर 3,505.41 लाख रुपये निवेश किए जाएंगे। धरमजयगढ़ में एक एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर तथा एक औषधीय जड़ी-बूटी प्रसंस्करण इकाई की स्थापना पर क्रमशः 1,000-1,000 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। इसके अलावा पांच फसल भंडारण गोदामों के निर्माण हेतु 420 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

विचाराधीन बंदी की जेल में संदिग्ध मौत, परिजनों ने मेडिकल कॉलेज में किया जमकर हंगामा, कहा : बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला..

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिला जेल में शराब मामले में बंद कोतरा रोड थाना क्षेत्र के ग्राम नवापारा निवासी विचाराधीन बंदी संजय बघेल (25) की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। बंदी की मौत की खबर मिलते ही आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा मचाया और जेल प्रशासन पर अंदर बेरहमी से मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, संजय को कुछ दिन पूर्व ही शराब से जुड़े मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल प्रबंधन ने अचानक तबीयत बिगड़ने का हवाला देते हुए उसे अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उसकी सांसें थम गई। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिस और जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पिता का सीधा आरोप है कि तीन दिन पहले पुलिस ने उनके बेटे और उसके एक अन्य साथी को शराब बेचने के आरोप में पकड़ा था। परिजनों का दावा है कि पुलिस ने साथी को कथित तौर पर 40 हजार रुपये लेकर छोड़ दिया, जबकि संजय को जेल भेज दिया गया। पिता के अनुसार जेल के भीतर उनके बेटे के साथ बुरी तरह मारपीट की गई, जो अंततः उसकी मौत का कारण बनी। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सरपंच ने की सीसीटीवी फुटेज खंगालने की मांग

गांव के युवक की मौत की खबर फैलते ही नवापारा के सरपंच नंदकुमार भी ग्रामीणों और परिजनों के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में जेल अधिकारियों की घोर लापरवाही की ओर इशारा किया है। संजय जब जेल गया तो बढ़िया था जेल के अंदर ऐसा क्या हुआ कि उसकी मौत हो गई। मृतक की लाश को भी हमको नहीं दिखाया जा रहा है। सरपंच ने स्पष्ट मांग की है कि यदि संजय की मौत जेल के अंदर हुई किसी अप्रिय घटना का परिणाम है, तो तत्काल जेल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की बारीकी से जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस मामले में जेल प्रबंधन और संलिप्त दोषियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। आक्रोशित परिजन फिलहाल अस्पताल में डटे हुए हैं और प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी निगाहें

घटना के बाद से ही मेडिकल कॉलेज में तनाव का माहौल बना हुआ है। एक विचाराधीन बंदी की इस तरह अचानक हुई मौत ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गहरे सवालिया निशान लगा दिए हैं। हंगामा कर रहे परिजनों को शांत कराने के लिए पुलिस अधिकारी समझाइश देने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल खबर लिखे जाने तक जेल प्रबंधन या जिला प्रशासन की तरफ से मौत के स्पष्ट कारणों को लेकर कोई भी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अब सभी की निगाहें पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिसके आने के बाद ही मौत की असली वजहों का पर्दाफाश हो सकेगा।

खबर का असर : बुदबुदा पंचायत में 15वें वित्त आयोग की राशि की जांच के लिए उच्च स्तरीय टीम गठित..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बुदबुदा पंचायत में 15वें वित्त आयोग की राशि पर अनियमितता का आरोप, कलेक्टर से शिकायत में उच्च स्तरीय जांच की हुई मांग..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत बरमकेला के ग्राम पंचायत बुदबुदा में विकास कार्यों के नाम पर आई 15वें वित्त आयोग की राशि को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीण हेमन्त पटेल ने जिला कलेक्टर को शिकायत पत्र सौंपकर पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। शिकायत सामने आने के बाद गांव में पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा तेज हो गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-26 और 2026-27 के दौरान पंचायत स्तर पर न तो ग्राम सभा की नियमित बैठकें हुई और न ही ग्रामीणों की सहमति ली गई। इसके बावजूद सरपंच और सचिव स्तर पर राशि निकालकर मनमाने ढंग से कार्य कराने और कथित तौर पर बंदरबांट किए जाने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि विकास कार्य कागजों में ज्यादा और जमीन पर कम दिखाई दे रहे हैं, जिससे पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। गांव के लोगों का यह भी कहना है कि बुदबुदा पंचायत पहले भी वित्तीय अनियमितताओं को लेकर सुर्खियों में रह चुकी है। तत्कालीन सरपंच शिवानी सिदार और सचिव दौलतराम जायसवाल के कार्यकाल में करीब 37 लाख 70 हजार रुपये की राशि में अनियमितता और कथित बंदरबांट के आरोप लग चुके हैं। अब उसी पंचायत में फिर से नए वित्तीय आरोप सामने आने से लोगों में नाराजगी और अविश्वास बढ़ता जा रहा है।

ग्राम पंचायत बुदबुदा में 15वें वित्त आयोग की राशि के उपयोग को लेकर उठे सवालों और लगातार प्रकाशित हो रही खबरों के बाद जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। ग्राम बुदबुदा निवासी हेमन्त पटेल द्वारा जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपकर वित्तीय अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई थी। शिकायत के बाद यह मामला स्थानीय समाचार पत्रों और न्यूज पोर्टलों में प्रमुखता से उठाया गया, जिसके बाद प्रशासन ने तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है। जारी आदेश के अनुसार जिला स्तर के दो अधिकारियों और जनपद पंचायत स्तर के एक अधिकारी को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जांच दल को 15 जून 2026 को ग्राम पंचायत बुदबुदा पहुंचकर मामले की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। इसकी सूचना शिकायतकर्ता, वर्तमान सरपंच-सचिव तथा संबंधित पक्षों को भी दे दी गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई को शिकायत और खबरों के बाद उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दरअसल, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-26 और 2026-27 के दौरान 15वें वित्त आयोग की राशि का उपयोग पारदर्शी तरीके से नहीं किया गया। आरोप है कि ग्राम सभा की नियमित बैठकें आयोजित किए बिना और ग्रामीणों की सहमति लिए बिना विभिन्न मदों में राशि खर्च की गई। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया है कि कई विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति और कागजी रिकॉर्ड में अंतर दिखाई देता है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। मामले में तत्कालीन सरपंच शिवानी सिदार, तत्कालीन सचिव दौलतराम जायसवाल के साथ-साथ वर्तमान सरपंच लक्ष्मी पटेल और सचिव पंडित राम सिदार पर भी 15वें वित्त आयोग की राशि के कथित दुरुपयोग के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल जिला प्रशासन द्वारा जांच समिति गठित किए जाने के बाद पंचायत से जुड़े लोगों के बीच हलचल तेज हो गई है और अब सभी की निगाहें 15 जून को होने वाली जांच पर टिकी हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जांच निष्पक्ष और तथ्यपरक होनी चाहिए, ताकि पूरे मामले की वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

घर-जमीन के बंटवारे के विवाद में छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस ने घर, जमीन के बंटवारे एवं खेती-किसानी के हिसाब-किताब को लेकर हुए विवाद में एक युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम ढारा निवासी तोप सिंह साहू (38 वर्ष) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह पिछले 15 दिनों से बेमेतरा में किराए के मकान में रहकर मजदूरी का कार्य कर रहा था। 13 जून को उसके मंझले भाई प्रदीप साहू ने फोन कर घर के बंटवारे की बात कही। इसी दौरान मोबाइल पर दोनों भाइयों के बीच विवाद और झगड़े की आवाज सुनाई दे रही थी। कुछ समय बाद छोटे भाई जलेश्वर साहू ने भी फोन कर खेती-किसानी के पैसों का हिसाब पूछते हुए बातचीत की, तब भी दोनों के बीच विवाद जारी था। सूचना मिलने पर तोप सिंह जब शाम करीब 3 बजे अपने गांव ढारा पहुंचा तो उसने छोटे भाई जलेश्वर से प्रदीप के बारे में पूछा। इस पर जलेश्वर ने बताया कि झगड़े के दौरान उसने गुस्से में गैती से वार कर दिया है। घर के भीतर जाकर देखने पर प्रदीप साहू खून से लथपथ अवस्था में पड़ा मिला, जिसके सिर पर गंभीर चोटें थीं। घटना में उसकी मौत हो चुकी थी। रिपोर्ट के आधार पर थाना बेमेतरा में धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता (ब्रह्स) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) रामकृष्ण साहू के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं एसडीओपी भुषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी जलेश्वर साहू (23 वर्ष) ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि घर, जमीन के बंटवारे और खेती-किसानी के हिसाब को लेकर हुए विवाद के दौरान आवेश में आकर गैती से सिर पर वार किया था। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त गैती एवं अन्य सामग्री जब्त कर ली गई। पुलिस ने आरोपी जलेश्वर साहू, निवासी ग्राम ढारा, थाना एवं जिला बेमेतरा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला, उप निरीक्षक जितेन्द्र कश्यप, रेशम लाल भास्कर, प्रशिक्षु उप निरीक्षक विजयेन्द्र सिंह कश्यप, प्रधान आरक्षक भुषण ठाकुर, चंद्रशेखर राजपूत, आरक्षक पुरुषोत्तम कुंभकार, शिव सेन तथा थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एलर्ट जारी, 16 जून से खुलेंगे सभी गेट : कलमा बैराज गेट के पीछे सभी कार्य पर प्रतिबंध

नहाना, खेती करना, मछली पकड़ना हो सकता है जानलेवा

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता रायगढ़ ने आम जनता को एलर्ट जारी कर सूचित किया है कि महानदी पर निर्मित कलमा बैराज में 16 जून 2026 से 15 अक्टूबर 2026 तक बैराज के सभी गेटों को खोला जावेगा, जिससे बैराज के नीचे महानदी में पानी बहाव की मात्रा अचानक अत्यधिक बढ़ सकती है।

अतः बैराज के नीचे महानदी में मछली पकड़ना, खेती करना, फसल लगाना एवं नहाना इत्यादि करना सक्त मना है। यदि सर्व साधारण या अन्य किसी द्वारा सूचना का पालन नहीं किया जाता है तो ऐसी स्थिति में होने वाली जनधन की हानि होने पर विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं नहीं रहेगी।।

जरूरतमंद कलाकारों और विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून

गुरू शिष्य परम्परा के 2 प्रशिक्षार्थियों को भी मिलेगा अवसर

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

राज्य सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा अर्थाभावग्रस्त होनहार युवा कलाकारों और छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना 2021 स्थापित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रविष्टियां कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, कोसीर रोड, कालेज के पास सारंगढ़ में कार्यालयीन समय में 15 जून 2026 तक जमा कर सकते हैं। योजना की नियमावली अनुसार गुरू शिष्य परम्परा के अंतर्गत विगत 6 माह से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे ऐसे 2 प्रशिक्षार्थियों की प्रविष्टियां जिलाध्यक्ष की अनुशंसा से एवं स्कूल शिक्षा या उच्च शिक्षा के अध्ययन के लिए संस्था प्रमुख की अनुशंसा अनिवार्य है। नियमावली एवं निर्धारित प्रारूप गूगल ड्राइव में उपलब्ध है, जिसे https://drive.google.com/file/d/vtZj&jqvQ}ELx_pzwYFFIsSTksNsTUgXI/view डाउनलोड कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अनुरेखक (सिविल) के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून सारंगढ़ बिलाईगढ़, 14 जून 2026/छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर ने ड्राइंग के साथ बारहवीं उत्तीर्ण या बारहवीं उत्तीर्ण युवाओं से जल संसाधन विभाग के अनुरेखक (सिविल) पद के लिए 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया है। अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन करते समय परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन लिया जाएगा। शासन के निर्देश पर राज्य के स्थानीय निवासी अभ्यर्थी जो परीक्षा में उपस्थित होने पर परीक्षा शुल्क उसी बैंक खाता में वापस किया जाएगा जिसमें आवेदन परीक्षा शुल्क का भुगतान किया है। विस्तृत जानकारी व्यापम की वेबसाइट vyapamcg.cgstate.gov.in पर उपलब्ध है।

आईटीआई में एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून-सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिले के सारंगढ़, सरिया और भटगांव सहित छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय आईटीआई में प्रवेश सत्र 2026 एवं 2026-28 के लिए संस्था में संचालित कोपा, फीटर , वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन आदि व्यवसायों में रिक्त स्थानो हेतु ऑनलाईन प्रवेश के लिए राज्य सरकार ने आवेदन प्रकिया के लिए पोर्टल खोला है।

खरसिया में क्रिकेट सट्टे का फरार बुकी सुभेष अग्रवाल गिरफ्तार, तीसरा साथी अमित अग्रवाल अब भी पुलिस की गिरफ्त से दूर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के 'ऑपरेशन क्लीन हंट' के तहत खरसिया पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी के एक बड़े नेटवर्क पर प्रहार करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य सटोरिए सुभेष अग्रवाल को धर दबोचा है और उसे कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। यह कार्रवाई जिले में संगठित जुआ और ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का एक अहम हिस्सा है, जिसमें अब तक दो आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है जबकि एक अन्य फरार सटोरिए की सरगर्मी से तलाश जारी है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश

पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, खरसिया पुलिस को अपने मुखबिर तंत्र से यह पुख्ता सूचना मिली थी कि ऑनलाइन सट्टा प्रकरण में फरार चल रहा 39 वर्षीय सुभेष अग्रवाल (पिता स्व. गजानंद अग्रवाल) खरसिया के रायगढ़ चौक इलाके में छिपा हुआ है। इस इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी की और आरोपी को अपनी अभिरक्षा में ले लिया। पुलिसिया पूछताछ में सुभेष ने क्रिकेट मैचों में सट्टा खिलाने और पैसों के लेन-देन का पूरा हिसाब-किताब रखने की बात कबूल कर ली है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने सट्टेबाजी में इस्तेमाल किया जाने वाला मोटोरोला कंपनी का त60 क्क्ष्श मॉडल का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है।

29 अप्रैल को पकड़ा गया था सट्टेबाजी का पहला गुर्गा

इस पूरे ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क का पर्दाफाश बीते 29 अप्रैल 2025 को हुआ था। उस दिन थाना साइबर और चौकी खरसिया पुलिस की एक संयुक्त टीम ने नवीन स्कूल के पास गली रोड में छापा मारकर रानीसती छपरी गंज निवासी अंकित अग्रवाल (37 वर्ष) को रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। उस वक्त पुलिस ने अंकित के पास से सैमसंग गैलेक्सी स22 मोबाइल फोन और 21 हजार रुपये नकद बरामद किए थे। पुलिस की तकनीकी जांच में यह स्पष्ट हो गया था कि आरोपी, स्क्क्ह-श्वस्थड्ढ्रष्ठ॥ और, स्क्क्हश्वस्थड्ढ्रष्ठ॥ 9-ष्ठह्व नामक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर खुलेआम हार-जीत का दांव लगवा रहे थे

करोड़ों का हिसाब-किताब और तीसरे आरोपी की तलाश

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अंकित अग्रवाल से हुई प्रारंभिक पूछताछ में ही सुभेष अग्रवाल और एक अन्य साथी अमित अग्रवाल के नाम सामने आए थे। ये तीनों मिलकर पूरी तरह से एक संगठित ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क चला रहे थे। इस मामले में पुलिस ने पहले ही खरसिया चौकी में अपराध क्रमांक 203/2025 दर्ज करते हुए छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धारा 6 और 7 के तहत कार्रवाई की थी। अंकित पहले ही जेल में है और अब सुभेष की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं, इस पूरे सिंडिकेट का तीसरा अहम मोहरा, स्टेशन रोड खरसिया निवासी अमित अग्रवाल अब भी फरार है, जिसके संभावित ठिकानों पर पुलिस लगातार दबिश दे रही है।इस पूरी पुलिसिया कार्रवाई के बीच रायगढ़ एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कड़ा संदेश दिया है कि ऑनलाइन सट्टा जैसे संगठित अपराधों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। अवैध कारोबार से जुड़े लोगों की जड़ें खोदने और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस का यह 'ऑपरेशन क्लीन हंट' पूरे जिले में इसी सख्ती के साथ आगे भी जारी रहेगा।

इजराइल में होम बेस्ड केयर गिवर भर्ती, प्रतिमाह वेतन लगभग 2 लाख, लेकिन खर्च भी लाखों में

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य के क्षेत्र में नर्सिंग की बुनियादी प्रशिक्षित युवाओं के लिए विदेश में रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। वहीं नौकरी की शुरुआत से सेवा तक का खर्च देखा जाए तो अभ्यर्थी के पास पहले से लाखों रुपये का धन होना आवश्यक है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अंतर्गत भारत- इजराइल फ्रेमवर्क एग्रीमेंट के तहत इजराइल में होम बेस्ड केयर गिवर के 3500 पदों पर भर्ती की जा रही है। भर्ती के लिए अभ्यर्थी की आयु 25 से 45 वर्ष के बीच होना आवश्यक है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है तथा इंटरमीडिएट स्तर पर अंग्रेजी विषय का अध्ययन किया होना चाहिए। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि आवेदक के पास कम से कम तीन वर्ष की वैधता वाला पासपोर्ट होना आवश्यक है। इसके अलावा अभ्यर्थी शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हो तथा उसकी लंबाई 1.5 मीटर एवं वजन 45 किलोग्राम से अधिक होना चाहिए। पद के लिए भारतीय नियामक प्राधिकरण से मान्यता प्राप्त 990 घंटे के ओजेटी सहित केयर गिविंग प्रमाणपत्र अनिवार्य है। जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, आक्जलरी नर्स, मिडवाईफ, जनरल नर्स मिडवाईफ, बीएससी नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, नर्स असिस्टेंट अथवा मिडवाईफ संबंधी योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी आवेदन के पात्र होंगे। चयनित अभ्यर्थियों को इजराइल में कार्य करने का अवसर मिलेगा, जहां चिकित्सा बीमा, आवास एवं भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही 9 दिनों का राष्ट्रीय अवकाश तथा 16 दिनों का वार्षिक अवकाश भी दिया जाएगा। सभी कटौतियों के पश्चात लगभग 1 लाख 99 हजार 770 रुपये प्रतिमाह वेतन प्राप्त होगा। चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन पंजीयन, दस्तावेज एवं पात्रता जांच, स्वास्थ्य परीक्षण, पुलिस क्लियरेंस तथा इजराइली नियोजक द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से साक्षात्कार शामिल होगा। अंतिम चयन नियोजक संस्था द्वारा किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से छत्तीसगढ़ रोजगार पोर्टल पर शीघ्र पंजीयन कराने का आग्रह किया है। किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा शंका के समाधान के लिए रोजगार कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। अभ्यर्थियों को दलालों एवं भ्रामक माध्यमों से सावधान रहने की सलाह भी दी गई है।

इच्छुक अभ्यर्थी के खर्च की पूरी जानकारी- इजराइल में नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थी को रजिस्ट्रेशन और प्रोसेसिंग फीस 11 हजार 197 रुपए जीएसटी के साथ, मेडिकल एग्जामिनेशन फीस 6158 रुपये, पुलिस रिपोर्ट फीस ?560, पासपोर्ट इंश्योरेंस फीस 2240 रूपये, वीजा फीस इजरायल विजा सेंटर द्वारा फीस तय होगा। फ्लाइट का खर्च एक तरफ का बाजार मूल्य पर, रिकॉर्ड अपलोडेड वीडियो इंटरव्यू खर्च 4665 रुपए जीएसटी के साथ देना होगा।

रायगढ़ के स्टेट लेवल अबेकस मेगा फेस्ट में सांकरा के शौर्य प्रधान ने जीता चैंपियन खिताब..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ में आयोजित स्टेट लेवल ब्रेनअप अबेकस मेगा फेस्ट-2026 में सरिया क्षेत्र के ग्राम सांकरा के 8 वर्षीय शौर्य प्रधान ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर शौर्य ने प्रतियोगिता में दोहरी सफलता हासिल करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।रायगढ़ के अग्रोहा धाम में आयोजित इस प्रतियोगिता में शौर्य प्रधान ने विज्युअल कम्पटीशन में मात्र 10 मिनट के भीतर 200 सवालों को सही हल कर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। वहीं लिसनिंग कम्पटीशन में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेकंड रनर-अप का स्थान प्राप्त किया।ब्रेनअप अकेडमी रायगढ़ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच शौर्य की इस उपलब्धि को बड़ी सफलता माना जा रहा है। शौर्य प्रधान की सफलता के पीछे उनकी निरंतर मेहनत और नियमित अभ्यास का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्हें अबेकस का प्रशिक्षण निकिता पाढ़ी और अनामिका होता द्वारा दिया गया। वहीं ब्रेनअप अकेडमी के डायरेक्टर राम होता ने भी शौर्य की प्रतिभा और समर्पण की सराहना की। शौर्य, शिवचरण प्रधान और भानुमति प्रधान के सुपुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ पूरे सांकरा और सरिया क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

स्थानीय लोगों ने शौर्य को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। कम उम्र में हासिल की गई यह सफलता अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणा बन रही है, जो मेहनत और लगन के साथ अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं।

एसएसपी शशि मोहन सिंह : 'फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना और उसका उपयोग करना सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है, ऐसे कृत्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के खेल की जांच तेज, ट्रेवल्स एजेंसी में पुलिस-आरटीओ की संयुक्त दबिश

रायगढ़/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम विदित हो कि बीते 17 अप्रैल 2026 को नगर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक मिश्रा की अध्यक्षता में पुलिस कंट्रोल रूम में छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा के ट्रांसपोर्टरों और वाहन मालिकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में पुलिस, परिवहन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित कर समय-समय पर संयुक्त जांच एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के पालन में संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। इसी दौरान पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ नवसीखिया चालक हेवी वाहन चलाने के लिए जारी लाइसेंसों का उपयोग कर भारी वाहनों का संचालन कर रहे हैं तथा 11 जून को पुलिस को लिखित आवेदन इस आश्य का प्राप्त हुआ है कि स्थानीय स्तर पर संचालित बाबा ट्रेवल्स नामक संस्था/एजेंसी द्वारा कथित रूप से ओडिशा एवं अन्य राज्यों के निवासियों के लिए फर्जी एवं भ्रामक दस्तावेज तैयार कर उन्हें रायगढ़, छत्तीसगढ़ का निवासी दर्शाते हुए ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने का कार्य किया जा रहा है प्राप्त शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर सत्यापन के लिए नगर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक मिश्रा एवं यातायात उप पुलिस अधीक्षक श्री उत्तम प्रताप सिंह के नेतृत्व में आरटीओ एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बाबा ट्रेवल्स में दबिश दी गई। जांच के दौरान प्राप्त दस्तावेजों में कई आवेदकों के पते समान पाए गए। प्रारंभिक जांच मंस यह तथ्य सामने आ रहे हैं कि बाहरी राज्यों के आवेदकों के लिए स्थानीय स्तर पर किरायानामा एवं शपथ-पत्र तैयार कर उन्हें रायगढ़ का निवासी दर्शाते हुए ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन कराया गया. जांच के दौरान यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि कुछ मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया के तहत निर्धारित परीक्षण में वास्तविक आवेदक के स्थान पर अन्य व्यक्तियों को शामिल कर परीक्षण दिलाए जाने के बाद लाइसेंस जारी कराए गए हो सकते हैं। इस संबंध में जांच टीम द्वारा लगभग 180 लाइसेंसधारियों के दस्तावेजों की विस्तृत जांच एवं सत्यापन किया जा रहा है. रायगढ़ पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से दस्तावेजों, निवास प्रमाणों एवं लाइसेंस प्रक्रिया से संबंधित अभिलेखों का परीक्षण किया जा रहा है। जांच में यदि नियमों का उल्लंघन अथवा फर्जीवाड़ा प्रमाणित होता है, तो संबंधित व्यक्तियों एवं संलिप्त एजेंसियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के माध्यम से सड़क सुरक्षा से जुड़े मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लाइसेंस प्राप्त कर भारी वाहनों का संचालन करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

एसएसपी श्री शशि मोहन सिंह का सख्त संदेश :

÷सड़क सुरक्षा से जुड़ी प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लाइसेंस बनवाने की शिकायत गंभीर है इसमें संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।÷

पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में बर्बर सैन्य-पुलिस हिंसा के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ

(कमलेश पांडेय) पीओजेके में समय-समय पर सामने आने वाली हिंसा, दमन, विरोध-प्रदर्शन और मानवाधिकार संबंधी आरोप केवल स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि इनके कई अंतरराष्ट्रीय आयाम भी हैं। चूंकि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में हाल के दिनों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई हिंसक झड़पों ने भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है। इसलिए सबने कड़ी प्रतिक्रिया दी है, क्योंकि विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार कई लोगों की मौत हुई, तथा बड़ी संख्या में लोग घायल हुए तथा गिरफ्तारियां और इंटरनेट प्रतिबंध जैसी कार्रवाइयाँ भी की गईं। लिहाजा यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय चिंता का भी सबब बन चुकी है। जहां तक भारत की सधी हुई कड़ी प्रतिक्रिया की बात है तो भारत सरकार ने इस घटना पर सधी हुई कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कथित पुलिस बर्बरता और प्रदर्शनकारियों की मौतों पर चिंता जताते हुए कहा कि पाकिस्तान पीओके में अपने प्रशासनिक और राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए दमन का रास्ता अपना रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस स्थिति पर ध्यान देने और मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने की मांग की है। जहां तक अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की बात है तो एमनेस्टी इंटरनेशनल ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई, गिरफ्तारियों और इंटरनेट बंदी पर चिंता व्यक्त की तथा शांतिपूर्ण संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और कुछ कश्मीरी अधिकार कार्यकर्ताओं ने भी पीओके में मानवाधिकारों की स्थिति पर सवाल उठाए हैं और निष्पक्ष जांच की मांग की है। जबकि प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने घटनाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आर्थिक असंतोष और नागरिक अधिकारों से जुड़े व्यापक संकट के रूप में प्रस्तुत किया है। लिहाजा, पीओजेके में होने वाली बर्बर हिंसा के मायने केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके प्रभाव मानवाधिकार, भारत-पाकिस्तान संबंध, चीन की रणनीतिक परियोजनाओं, क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति तक फैलते हैं। इसलिए ऐसी घटनाओं को केवल स्थानीय नहीं, बल्कि व्यापक भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाता है। आइए इसे विस्तार से इसके अंतरराष्ट्रीय मायने समझते हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर प्रदर्शन से उपजते महत्वपूर्ण सवाल!

(कमलेश पांडेय) देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर कथित कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित जन-प्रदर्शन केवल एक विरोध-प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति में उभर रही डिजिटल-युवा राजनीति की अग्नि-परीक्षा भी माना जा सकता है। देखा गया कि अनिबन्धित कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक, प्रतीकात्मक या सीमांत राजनीतिक संगठन के रूप में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है, जो व्यवस्था-विरोधी संदेश है। ऐसे प्रदर्शन का वास्तविक राजनीतिक महत्व इस बात पर निर्भर करेगा कि संगठन के मुद्दे क्या हैं, उसके पीछे कितना जनसमर्थन है, और क्या वह प्रतीकात्मक विरोध से आगे बढ़कर कोई ठोस राजनीतिक प्रभाव पैदा कर पाता है। वहीं, इससे जुड़े नेताओं का भावी राजनीतिक मकसद भी केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार व विभिन्न भाजपा राज्य सरकारों को अपदस्थ करना है। ऐसे में आंदोलनकारियों का लक्ष्य बड़ा है और उनके संसाधन कमतर। ऐसा उनके द्वारा उठाए हुए मुद्दों से प्रतीत होता है। इसलिए कॉकरोच जनता पार्टी% के जंतर-मंतर प्रदर्शन कतिपय महत्वपूर्ण सवाल उपजते हैं, जो निम्नलिखित हैं-पहला, जंतु-विज्ञान में कॉकरोच को अक्सर ऐसी प्रजाति माना जाता है जो कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहती है। ऐसे में यदि कोई संगठन स्वयं को इस प्रतीक से जोड़ता है, तो वह यह संदेश दे सकता है कि आम जनता तमाम आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक दबावों के बावजूद संघर्षरत है। वाकई इस आंदोलन की मुख्य मांग, छात्रों से जुड़ी शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा सम्बन्धी अनियमितताओं और युवाओं के लिए अधिकाधिक अवसर जुटाने आदि से जुड़ी हुई हैं। लिहाजा जेन-जी का झुकाव जगजाहिर है। दूसरा, मुख्यधारा की राजनीति पर यह आंदोलन भी एक व्यंग्य मानिंद है, क्योंकि ऐसा नाम पारंपरिक दलों और राजनीतिक संस्कृति पर कटाक्ष का माध्यम बन चुका है। इससे यह संदेश दिया जा रहा है कि स्थापित दल जनता की समस्याओं से दूर हो चुके हैं। वहीं, मीडिया का ध्यान आकर्षित करने की रणनीति के तहत असामान्य नाम और प्रदर्शन शैली का चयन किया गया है, जो अक्सर मीडिया कवरेज पाने का आसान तरीका बनती है। छोटे या गैर-पंजीकृत संगठन इसी माध्यम से अपनी बात राष्ट्रीय विमर्श में लाने का प्रयास करते हैं। तीसरा, यह युवा आंदोलन, जन-असंतोष की अभिव्यक्ति है, जो प्रदर्शन के माध्यम से महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार या प्रशासनिक विफलताओं जैसे मुद्दों पर मुखर है। यह व्यापक जन-असंतोष का प्रतीकात्मक रूप माना जा रहा है। इसलिए लोकतांत्रिक स्पेस का उपयोग रणनीति के तौर पर किया जा रहा है, क्योंकि जंतर-मंतर लंबे समय से विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक समूहों के विरोध-प्रदर्शनों का केंद्र रहा है। वहां प्रदर्शन करना इस बात का संकेत है कि संगठन लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी बात रखना चाहता है। चौथा, इसी आंदोलन के बहाने अब युवा भी चुनावी राजनीति में प्रवेश की तैयारी कर रहे हों, ताकि सिस्टम के भीतर प्रवेश करके उसे बदला जाए। लिहाजा कई छोटे संगठन पहले आंदोलन और प्रदर्शन के माध्यम से पहचान बनाते हैं, फिर राजनीतिक विस्तार या चुनावी भागीदारी की ओर बढ़ते हैं। तभी तो वहां मौजूद टीन एजर्स बताते हैं कि कॉकरोच जनता पार्टी अभी एक उभरता हुआ, मुख्यतः युवा-आधारित आंदोलन है। पांचवां, इस युवा आंदोलन अभी तक औपचारिक रूप से किसी बड़े विपक्षी राष्ट्रीय राजनीतिक दल का समर्थन नहीं मिला है, लेकिन कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्र समूहों और जन-आंदोलन से जुड़े व्यक्तियों का समर्थन जरूर मिला है।

आखिर भारत की बढ़ती परमाणु ताकत से चौकन्ना क्यों होने लगा अंतरराष्ट्रीय जगत?

भारत के परमाणु वारहेड का अनुमानित भंडार जनवरी 2026 तक बढ़कर 190 हो गया है, जो पिछले वर्ष लगभग 180 था। दूसरा, ने पहली बार आकलन किया है कि भारत के लगभग 12 परमाणु वारहेड तैनातअवस्था में हैं। पहले भारत आमतौर पर वारहेड और डिलीवरी सिस्टम (मिसाइल/विमान) को अलग-अलग रखता था। तीसरा, भारत का परमाणु आधुनिकीकरण अब अधिकाधिक तक पहुंच रखने वाली लंबी दूरी की मिसाइलों, समुद्री प्रतिरोधक क्षमता और नई डिलीवरी प्रणालियों पर केंद्रित है। चौथा, भारत का परमाणु आधुनिकीकरण अब अधिकाधिक लंबी दूरी की उन प्रणालियों पर केंद्रित है जो पूरे तक पहुंचने में सक्षम हों। भारत की रणनीतिक योजना के साथ पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन चीन को ध्यान में रखकर भी क्षमताओं का विस्तार किया जा रहा है। पांचवां, भारत की परमाणु त्रिस्तरीय क्षमता परिपक्व हो रही है

कमलेश पांडेय

भारत की बढ़ती परमाणु शक्ति से दुनिया में व्यापक भय कम और रणनीतिक सतर्कता अधिक है, क्योंकि भारत की सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक ताकत जितनी बढ़ेगी, उसकी परमाणु क्षमताओं पर वैश्विक चर्चा और निगरानी भी उतनी ही बढ़ेगी। भारत आज उन चुनिंदा देशों में शामिल है जिनकी सामरिक शक्ति वैश्विक शक्ति-संतुलन को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। दरअसल, 2026 रिपोर्ट का संदेश यह है कि भारत की परमाणु शक्ति में वृद्धि संख्या के स्तर पर सीमित है, लेकिन उसकी गुणवत्ता, तैनाती और परिचालन क्षमता में हो रहे बदलाव कहीं अधिक महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। ताज़ा Stockholm International Peace Research Institute (SIPRI) रिपोर्ट के अनुसार भारत की परमाणु क्षमता में क्रमिक लेकिन महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। SIPRI Yearbook 2026 के अनुसार भारत की परमाणु क्षमता में लगातार वृद्धि और आधुनिकीकरण जारी है। रिपोर्ट के कुछ प्रमुख निष्कर्ष इस प्रकार हैं-

पहला, भारत के परमाणु वारहेड (nuclear warheads) का अनुमानित भंडार जनवरी 2026 तक बढ़कर 190 हो गया है, जो पिछले वर्ष लगभग 180 था। दूसरा, SIPRI ने पहली बार आकलन किया है कि भारत के लगभग 12 परमाणु वारहेड तैनात (deployed) अवस्था में हैं। पहले भारत आमतौर पर वारहेड और डिलीवरी सिस्टम (मिसाइल/विमान) को अलग-अलग रखता था। तीसरा, भारत का परमाणु आधुनिकीकरण अब अधिकाधिक China तक पहुंच रखने वाली लंबी दूरी की मिसाइलों, समुद्री प्रतिरोधक क्षमता (sea-based deterrence) और नई डिलीवरी प्रणालियों पर केंद्रित है। चौथा, भारत का परमाणु आधुनिकीकरण

अब अधिकाधिक लंबी दूरी की उन प्रणालियों पर केंद्रित है जो पूरे China तक पहुंचने में सक्षम हों। भारत की रणनीतिक योजना में Pakistan के साथ पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन चीन को ध्यान में रखकर भी क्षमताओं का विस्तार किया जा रहा है। पांचवां, भारत की परमाणु त्रिस्तरीय क्षमता (भूमि, वायु और समुद्र आधारित प्रतिरोधक शक्ति) परिपक्व हो रही है और समुद्र-आधारित प्रतिरोधक क्षमता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। SIPRI की रिपोर्ट में भारत-पाकिस्तान-चीन तुलना इस प्रकार है- देश/अनुमानित परमाणु वारहेड (जनवरी 2026)- ष्ट्वद्वठ्ठड्ड- लगभग 620, लगभग 170। समझिए, आखिर दुनिया क्यों ध्यान दे रही है?

SIPRI का कहना है कि भारत उन देशों में शामिल है जो अपने परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। विशेष चिंता इस बात को लेकर है कि वैश्विक स्तर पर परमाणु हथियारों की भूमिका फिर बढ़ रही है और कई देश अधिक परिचालन-तत्पर (operationally ready) परमाणु बल विकसित कर रहे हैं। रिपोर्ट यह भी कहती है कि भारत केवल वारहेड की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि नई मिसाइल प्रणालियां, लंबी दूरी की क्षमताएं, स्ब्द्वत्रञ्ज तकनीक तथा समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर रहा है। इससे भारत की द्वितीय प्रहार क्षमता (Second Strike Capability) और अधिक मजबूत होती है।

सवाल- क्या यह चिंता भारत-विरोधी है?

आवश्यक नहीं, क्योंकि भारत को अक्सर एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति के रूप में देखा जाता है, जिसने अपेक्षाकृत संयमित परमाणु नीति अपनाई है। फिर भी, क्योंकि परमाणु हथियारों का प्रभाव वैश्विक होता है, इसलिए भारत की बढ़ती क्षमता को लेकर दुनिया में स्वाभाविक रूप से रणनीतिक विश्लेषण, निगरानी और सतर्कता बनी रहती है। यक्ष प्रश्न- क्या दुनिया वास्तव में भारत से डरती है? अधिकांश पश्चिमी देशों और रणनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का परमाणु कार्यक्रम मुख्यतः विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध (Credible Minimum Deterrence) और पहले उपयोग नहीं (No First Use) जैसे सिद्धांतों पर आधारित रहा है। इसलिए भारत को आमतौर पर एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति के रूप में देखा जाता है। हालांकि उसके पड़ोसी देशों और कुछ रणनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के लिए उसकी बढ़ती क्षमता चिंता का विषय हो सकती है।

जानिए इसके राजनीतिक और सामरिक मायने

पहला, भारत अब केवल दक्षिण एशिया की नहीं, बल्कि व्यापक एशियाई शक्ति-संतुलन की गणना में शामिल हो चुका है। China और Pakistan दोनों को ध्यान में रखकर भारत अपनी प्रतिरोधक क्षमता को उन्नत कर रहा है। एशिया में चीन, भारत और पाकिस्तान के बीच सामरिक संतुलन आने वाले वर्षों में वैश्विक सुरक्षा विमर्श का प्रमुख विषय बना रह सकता है।

नया भारत अवसरों, उपलब्धियों और आकांक्षाओं का है

प्रभात खबर

भारत के लिए नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व काल का पिछला 12 वर्ष केवल शासन परिवर्तन का ही नहीं, युग परिवर्तन का कालखंड बन गया है. वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आरंभ हुई यात्रा ने भारत को केवल आर्थिक प्रगति के पथ पर अग्रसर नहीं किया, बल्कि उसे अपनी सांस्कृतिक जड़ों, आध्यात्मिक मूल्यों और सभ्यतागत चेतना से पुन: जोड़ने का कार्य भी किया. इन वर्षों में भारत ने विकास और विरासत, आधुनिकता और परंपरा, विज्ञान और अध्यात्म के अद्भुत समन्वय का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसकी चर्चा आज पूरे विश्व में हो रही है. प्रधानमंत्री मोदी ने शासन की बागडोर संभालते समय एक ऐसे भारत की कल्पना प्रस्तुत की थी, जो आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर और अपनी जड़-जमीन की पहचान को लेकर गौरवान्वित हो. यह दृष्टि केवल नीतियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि जनभागीदारी के माध्यम से एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेती चली गयी. परिणामस्वरूप, आज का भारत अवसरों, उपलब्धियों और आकांक्षाओं का नया भारत बनकर विश्व मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है. मोदी के नेतृत्व में विकास को केवल आर्थिक सूचकांकों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि विकास का मतलब आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना माना गया. गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग को केंद्र में रखकर अनेक योजनाएं

प्रारंभ की गयीं. जनधन योजना ने करोड़ों लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा, उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलायी, आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य सुरक्षा का कवच प्रदान किया और प्रधानमंत्री आवास योजना ने लाखों परिवारों को सम्मानजनक जीवन का आधार दिया. इसी प्रकार, स्वच्छ भारत अभियान ने राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन का स्वरूप ग्रहण किया. जल-जीवन मिशन के माध्यम से गांव-गांव तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का प्रयास हुआ. प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने आधारभूत संरचना के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व प्रगति की है. आधुनिक राजमार्ग, एक्सप्रेस-वे, रेलवे का तीव्र विस्तार, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं, नये हवाई अड्डे और डिजिटल कनेक्टिविटी ने देश के विकास को नयी गति दी. जो क्षेत्र कभी विकास की मुख्यधारा से दूर माने जाते थे, वे आज राष्ट्रीय प्रगति के महत्वपूर्ण केंद्र बन रहे हैं. डिजिटल इंडिया अभियान से शासन व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन आया. भारत आज विश्व का अग्रणी डिजिटल भुगतान वाला राष्ट्र बन चुका है. तकनीक के माध्यम से भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और योजनाओं के लाभ का सीधा हस्तांतरण सुनिश्चित हुआ है. यदि इन 12 वर्षों की उपलब्धियों को एक वाक्य में व्यक्त करना हो, तो कहा जा सकता है कि भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाये हैं. 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति है. 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्ट-अप इंडिया', 'स्किल इंडिया' और नवाचार को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों ने युवाओं को नये अवसर प्रदान किये हैं. आज भारत वैश्विक विनिर्माण, डिजिटल तकनीक, अंतरिक्ष अनुसंधान और स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभर रहा है. विश्व मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा भी इन 12 वर्षों की उल्लेखनीय उपलब्धि है. जी-20 की सफल अध्यक्षता, जलवायु परिवर्तन पर नेतृत्वकारी भूमिका, वैश्विक दक्षिण की आवाज को मुखर करना तथा विश्व के प्रमुख देशों के साथ मजबूत संबंध स्थापित करना भारत की बढ़ती शक्ति के प्रमाण हैं.

भारत के माथे पर कलंक है बालश्रम की समस्या

डॉ. रमेश ठाकुर

'बालश्रम' समस्या दशकों से न सिर्फ भारत में, बल्कि समूचे संसार में प्रचलित रही है। वैसे, बालश्रम अपने आप में किसी कलंक से कम नहीं? भारत की बात करें, तो लाखों की संख्या में नौनिहाल विभिन्न राज्यों में किसी न किसी मजबूरी के चलते अपने जीवन को श्रम की भट्टियों में झुका हुआ है। हालांकि, सरकारी और सामाजिक स्तर पर रोकने की कोशिशों में कोई कोर-कसर नहीं? पर, समस्या घटने के जगह बढ़ ही रही है दिनोंदिन। आज 'विश्व बाल श्रम निषेध दिवस' है जो सालाना 12 जून को मनाया जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष-2002 में 'अंनराष्ट्रीय श्रम संगठन' की अगुआई में बड़े वैचारिक स्तर पर मुकर्रर की गई थी। दिवस का आज 24वीं संस्करण पूरे विश्व में मनाया जा रहा है। मकसद, चाइल्ड लेबर के विरूद्व वैश्विक मंचों पर ईमानदारी से जागरूकता फैलाना और बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने को लेकर जनमानस को आहवान करना। कानून और संविधान में प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान सहित गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार सुनिश्चित है। बावजूद इसके गरीब, अक्षम और असहाय बच्चों के साथ असमानता और भेदभाव किया जाता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-24 के मुताबिक किसी भी कर-कारखानों में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के रोजगार पर पूर्ण प्रतिबंध होने के बाद भी चोरी-छिपे बच्चों से काम करवाया जाता है। ये बात शासन से लेकर

स्थानीय प्रशासन के लोग भी भली भांति जानते हैं। लेकिन कार्रवाई के जगह अपनी आंख मूंदे रहते हैं। जबकि, ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार ने साल-1986 में बाल श्रम के विरूद्व रोकथाम के लिए कठोर अधिनियम बनाया था जिसके तहत बच्चों को खतरनाक जगहों जैसे खादानों, मशीनरी कारखानों में जबरन काम करवाने वालों पर दंडनीय अपराध का प्रावधान तय किया था। लेकिन इस कठोर कानून की भी खुलआम धज्जियां उड़ाई जाती हैं। दरअसल, बाल श्रम ऐसा अभिशाप है जो किसी भी विकसित मुल्क की प्रगति में घोर बाधक रूपी असर छोड़ता है। बीते वर्ष 'विश्व बाल श्रम निषेध दिवस'-2025 की थीम थी 'प्रगति स्पष्ट है, लेकिन अभी और काम करना बाकी है'। वहीं, इस वर्ष यानी 2026 की थीम है 'बाल श्रम को लाल कार्ड-बच्चों के लिए उचित खेल, वयस्कों के लिए सम्मानजनक काम' रखी गई है। गंभीरता से अगर विमर्श करें, तो ये दिवस तभी सफलता अर्जित कर पाएगा। जब सभी एकजुट होकर इस बुराई से लड़ेंगे। संकल्प लें कि बाल श्रम के खिलाफ समाज में जागरूकता फैलाएंगे और मासूमों के बचपन के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। बच्चे देश का भविष्य हैं। हम सबका दायित्व है कि इन्हें बेहतर 'आज' दें ताकि सुनहरे 'कल' का निर्माण कर सकें। बालश्रम के विश्वस्तरीय आंकड़े रोंगटे खड़े करते हैं। बाल अधिकार रक्षक संस्थाओं और उनके विशेषज्ञों के अनुसार करीब 1 करोड़ 1 लाख बच्चे पूरे भारत में बाल श्रम में शामिल हैं जिनमें 56 लाख लड़के और 45 लाख लड़किया, जिनकी उम्र 5 से 14 के बीच है। ये बच्चे बीड़ी बनाना, सूत काटना, होटल-ढाबों में चाकरी करना, कृषि कार्यों, कालीन बुनाई व घरेलू कार्यों में ज्यादा लगे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में बाल श्रमिकों की सर्वाधिक संख्या को सरकार की अधिकृत बाल समितियों द्वारा बताई है। वहीं, पूरे विश्व में बाल श्रमिकों की बात करें, तो 'अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन' और 'यूनिसेफ' की रिपोर्टस् के मुताबिक दुनिया के 198 देशों में इस समय 13 करोड़ 80 लाख से अधिक बच्चे इस वक्त चाइल्ड लेबर में संलिप्त हैं। यानी प्रत्येक 10वें बच्चे पर एक बच्चा बाल मजदूरी कर रहा है।

बेगुनाह जिंदगियों से खेलता भ्रष्ट तंत्र और दिल्ली के अंतहीन अग्निकांड

योगेश कुमार गोयल

पिछले दिनों दिल्ली के मालवीय नगर स्थित हौजरानी क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि हमारे यहां हादसे अचानक नहीं होते बल्कि उन्हें पैदा किया जाता है। 21 लोगों की दर्दनाक मौत, दर्जनों घायल, धुएं में घुटती सांसें, तीसरी मंजिल से जान बचाने के लिए छलांग लगाते लोग और बेसमेंट के बाहर बंद पड़ा निकास द्वार, यह केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक विफलता, भ्रष्ट व्यवस्था और नियमों की खुलेआम हत्या का भयावह परिणाम था। दुखद यह है कि यह कोई नई कहानी नहीं है। दिल्ली बार-बार अग्निकांडों में जलती है, लोग बार-बार मरते हैं, जांच समितियां बनती हैं, मुआवजे घोषित होते हैं और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। मालवीय नगर के हादसे में जो शुरुआती तथ्य सामने आए, वे किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने वाले थे। जिस भवन में 'लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट' और 'मिकासा होम्स' संचालित हो रहे थे, वहां कथित रूप से छह कमरों की अनुमति के बावजूद 25 से अधिक कमरे बनाए गए थे। भवन से निकलने का केवल एक रास्ता था। बेसमेंट में लोगों की मौजूदगी के बावजूद बाहरी गेट पर ताला लगा था। आग लगने के बाद धुआं इतनी तेजी से फैला कि लोग बाहर निकल ही नहीं सके। कुछ लोगों ने तीसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की कोशिश की। यह दृश्य 1997 के उपहार सिनेमा अग्निकांड की भयावह यादों को फिर से ताजा कर गया, जहां बाहर निकलने के रास्ते बंद होने के कारण 59 लोगों की मौत हो गई थी। दिल्ली में अग्निकांडों का इतिहास बताता है कि हर बड़ी त्रासदी के पीछे कहानी लगभग एक जैसी है, अवैध निर्माण, सुरक्षा

मानकों की अनदेखी, भ्रष्टाचार, फर्जी प्रमाणपत्र, बंद निकास द्वार और प्रशासनिक लापरवाही। 13 जून 1997 को हुए उपहार सिनेमा अग्निकांड में 59 लोगों की मौत हुई थी, जो दिल्ली का अब तक का सबसे भयावह अग्निकांड माना जाता है। आग लगने के बाद सिनेमा हॉल में धुआं भर गया और निकास मार्ग अवरुद्ध होने के कारण लोग बाहर नहीं निकल सके। पूरे देश को झकझोर देने वाले इस हादसे के बाद सुरक्षा नियमों को सख्त बनाने की बातें तो बहुत हुई लेकिन वास्तविकता यही है कि उनसे कोई स्थायी सबक नहीं लिया गया। 31 मई 1999 को लाल कुआं स्थित केमिकल गोदाम में लगी आग में 57 लोगों की मौत हो गई। उसके बाद भी अवैध गोदामों और रासायनिक इकाइयों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया गया। 8 दिसंबर 2019 को अनाज मंडी की अवैध फैक्टरी में लगी आग में 43 लोगों की मौत हुई। उस समय भी खुलासा हुआ था कि इमारत में निकास के पर्याप्त रास्ते नहीं थे, सीढ़ियां सामान से भरी थी और खिड़कियों पर लोहे की ग्रिलें लगी थी। जहरीले धुएं ने मजदूरों को सोते हुए ही मौत की नींद सुला दिया। 12 फरवरी 2019 को करोल बाग के अर्पित पैलेस होटल में लगी आग में 17 लोगों की जान गई। जांच में सामने आया कि होटल में अवैध निर्माण हुआ था और सुरक्षा उपकरण पर्याप्त नहीं थे। 2022 में मुंडका की व्यावसायिक इमारत में लगी आग में 27 लोगों की मौत हुई। वहां भी केवल एक निकास मार्ग था और सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी की गई थी। उसी वर्ष गोकुलपुरी की झुग्गी बस्ती में आग से 7 लोगों की जान चली गई। 2024 में अलीपुर की अवैध पेंट फैक्टरी में लगी आग में 11 लोगों की मौत हुई। 2026 में पालम और विवेक विहार में हुए अग्निकांडों में नौ-नौ लोगों की जान गई। अब मालवीय नगर की त्रासदी ने मृतकों की सूची में 21 और नाम जोड़ दिए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के आंकड़े बताते हैं कि जनवरी 2026 से 27 मई 2026 तक आग की घटनाओं में 45 लोगों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद विवेक विहार और मालवीय नगर की घटनाओं को जोड़ दें तो यह संख्या 67 से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं बल्कि उन परिवारों की बर्बादी का दस्तावेज है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसी इमारतें बन कैसे जाती हैं? कैसे आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां चलने लगती हैं? कैसे छह कमरों की अनुमति वाले भवन में 25 कमरे बन जाते हैं? कैसे फायर एनओसी के बिना होटल, रेस्टोरेंट और फैक्ट्रियां वर्षों तक संचालित होती रहती हैं? कैसे चार मंजिल की अनुमति वाले क्षेत्र में छह-सात मंजिलें खड़ी हो जाती हैं? इन सवालों का जवाब किसी जांच आयोग की मोटी रिपोर्ट में नहीं बल्कि भ्रष्टाचार की उस जड़ में छिपा है

जाति प्रमाण पत्र में कट-ऑफ डेट संशोधन की मांग को लेकर संयुक्त अनुसूचित जाति समाज का मौन धरना, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

रायपुर /मूक पत्रिका

संयुक्त अनुसूचित जाति समाज के प्रतिनिधिमंडल ने जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में कट-ऑफ डेट संशोधन की मांग को लेकर माननीय महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। समाज के सामाजिक कार्यकर्ता उपेन्द्र जगत ने बताया कि उत्तराखंड राज्य में जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अगस्त 1950 के स्थान पर राज्य गठन की अधिसूचना तिथि को आधार माना गया है तथा वहां 01 नवंबर 2000 को कट-ऑफ डेट के रूप में लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 10 जून 2025 को जारी निर्देशों के अनुरूप छत्तीसगढ़ में भी आवश्यक संशोधन किया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (सामाजिक प्रास्थिति प्रमाणीकरण का विनियम) नियम, 2013 में पूर्व में 24 सितंबर 2020 को किए गए संशोधन की तर्ज पर पुनः संशोधन करते हुए जाति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु कट-ऑफ डेट 01 नवंबर 2000 निर्धारित की जाए। इसी मांग को लेकर 10 जून 2026 को रायपुर स्थित घड़ी चौक में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष एक दिवसीय ध्यानाकर्षण मौन धरना आयोजित किया गया। धरने में संयुक्त अनुसूचित जाति समाज के साथ भारतीय बौद्ध महासमाज, घासी-घसिया समाज, गाड़ा महासमाज, महार समाज, डोमार समाज, मखियार समाज, रविदास समाज, मांग-मातंग समाज तथा अरुंधति मोची विकास पंचायत समाज सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, प्रबुद्धजन, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।धरना स्थल पर वक्ताओं ने केंद्र सरकार के निर्देशों का शीघ्र पालन करते हुए छत्तीसगढ़ में भी उत्तराखंड की तर्ज पर 01 नवंबर 2000 को जाति प्रमाण पत्र जारी करने की कट-ऑफ डेट लागू करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के हजारों पात्र नागरिकों को न्याय मिलेगा और लंबे समय से लंबित मांग का समाधान हो सकेगा।

धमाल बॉयज़ की वापसी! 'धमाल 4' का ट्रेलर लेकर आया चार गुना मस्ती, चार गुना हंगामा और अनलिमिटेड पागलपन!

जित मुंबई/मूक पत्रिका

दर्शकों के बीच सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइज़ी में से एक धमाल अब अपने चौथे भाग के साथ लौट रही है। 10 जुलाई को रिलीज़ होने जा रही इस फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह बनाए रखने के लिए मेकर्स ने हर संभव प्रयास किया है। पहली बार, फिल्म के ट्रेलर लॉन्च को द्वद्वड्डद्दद्ब्ष्ड्डड्ड की दुनिया में आयोजित किया गया, जिसे एक शानदार और इमर्सिव अनुभव में बदल दिया गया। यह आयोजन धमाल 4 के भव्य पैमाने, रोमांच और बड़े स्तर के पागलपन को दर्शाता है।

ट्रेलर में धमाल बॉयज़ की वापसी दिखाई गई है, जो अपनी ज़िंदगी के सबसे बड़े खजाने की खोज पर निकलते हैं। लेकिन सोने का पहाड़ अपने साथ मुसीबतों का पहाड़ भी लेकर आता है। खजाने तक सबसे पहले पहुंचने की इस दौड़ में यह गैंग मज़ेदार घटनाओं, अप्रत्याशित मोड़ों और अनगिनत मुश्किलों के भंवर में फंस जाता है। इन सबमें सबसे चतुर और सबसे भाग्यशाली कौन साबित होगा, यह रहस्य 10 जुलाई को पर्दे पर खुलेगा। तब तक एक बात तय है–दर्शकों को मिलने वाली है भरपूर हंसी और नॉन-स्टॉप मनोरंजन !हर उम्र के दर्शकों के लिए एक शानदार कॉमेडी मनोरंजन का वादा करते हुए धमाल 4 में कलाकारों की दमदार टोली देखने को मिलेगी, जिसमें अजय देवगन रितेश देशमुख जावेद जाफ्री और संजय मिश्रा साथ में इसा गुप्ता अंजलि आनंद लारा दत्ता नजर आऐंगे।धमाल 4 10 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

बस्तरिया पुरोहित बड़े कलार समाज का कुमली में भव्य पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

कुमली/बस्तर/मूक पत्रिका

(पवन कुमार नाग) - ग्राम कुमली में 14 जून 2026 को बस्तरिया पुरोहित बड़े कलार समाज द्वारा भव्य पारिवारिक मिलन समारोह, शपथ ग्रहण एवं सामाजिक भवन लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज की एकता, संगठनात्मक मजबूती एवं सामाजिक विकास को समर्पित यह आयोजन ऐतिहासिक और यादगार रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक चंदन कश्यप उपस्थित रहे। वहीं ग्राम पंचायत कुमली के सरपंच, बस्तरिया पुरोहित बड़े कलार समाज के संभागीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, महामंत्री सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में समाज के स्वजातीय महिला-पुरुष, युवा एवं वरिष्ठजन शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान समाज के सभी सदस्यों ने पारिवारिक मिलन समारोह के माध्यम से आपसी भाईचारे, एकता और सामाजिक समरसता का परिचय दिया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण कर समाज हित में कार्य करने तथा संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सामाजिक भवन का लोकार्पण भी किया गया। समाज के लोगों ने इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात बताते हुए सामाजिक गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सामुदायिक बैठकों के लिए उपयोगी बताया।समारोह में समाज की संस्कृति, परंपरा और आस्था की झलक देखने को मिली। महिला, पुरुष, युवा एवं बुजुर्गों की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। पूरे आयोजन में उत्साह, अनुशासन और सामाजिक एकजुटता का वातावरण बना रहा।

गरीबों की शादी में 'डाका'! कन्या विवाह योजना को निगल गई कमीशनखोरी महिला बाल विकास विभाग में 15 लाख की चाशनी

सारंगढ़/मूक पत्रिका

गरीबों एवं जरूरतमंदों के घर बसाने वाली मुख्य मंत्री कन्या विवाह योजना को सारंगढ़ का महिला बाल विकास विभाग भ्रष्टाचार की चाशनी में डुबोकर डकार गया है। टेंट से लेकर खाने और शादी के सामान तक में ऐसी नग्न कमीशनखोरी की गई कि वर-वधू के परिजनों को खुशियों के मंडप में आक्रोशित होना पड़ा। इस महा घोटाले की गूंज जब राजधानी रायपुर पहुंची, तो विशेष जांच टीम ने सारंगढ़ पहुंचकर विभाग की कुंडली खंगाल डाली जांच पूरी होते ही अब भ्रष्ट अधिकारियों की कुर्सी डोलने लगी है व महकमे में हडक़ंप मच गया है। दस्तावेजों से सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि 10 फरवरी व 8 मई को सारंगढ़ में हुए सामूहिक विवाह आयोजनों में नियमों को ताक पर रख दिया गया। लगभग 15 लाख रुपये के टेंट, भोजन और विवाह सामग्री की खरीदी के लिए न तो कोई क्रय समिति बनाई गई और न ही नियमानुसार मार्केट से कोटेशन मंगाए गए। अधिकारियों ने अपनी जेबें गर्म करने के चक्कर में मनमानी करते हुए अपने चहेते ठेकेदारों और फर्मों को उपकृत कर दिया।शिकायतकर्ता सोम देव कुमार व माधव सिंह ने विभाग की इस मनमानी के खिलाफ सीधे महिला एवं बाल विकास विभाग के राज्य सचिव (रायपुर) को मोर्चा खोलते हुए बिंदुवार शिकायत भेजी थी। आरोप है कि ङ्क शादी में जो सामान बांटे गए, वे इस कदर स्तरहीन और कबाड़ थे की शादी की पवित्रता मखौल बनकर रह गई। अफसरों की इस कमीशनखोरी के कारण वर-वधू के परिवारों में भारी नाराजगी, आक्रोश था। मामले की गंभीरता को देखते हुए 10 जून को रायपुर से आई विशेष जांच टीम ने कार्यालय जिला कार्यक्रमअधिकारी में डेरा डाला। शिकायत कर्ताओं को नोटिस जारी कर बयान दर्ज किए गए और जांच प्रतिवेदन (रिपोर्ट) सील कर दी गई है। जांच टीम के लौटते ही विभाग के बड़े अफसरों पर निलंबन की तलवार लटक गई है। सूत्र बताते हैं कि ङ्क अपनी चमड़ी बचाने व कार्रवाई से भागने के लिए जिला स्तर के एक रसूखदार साहब इन दिनों जनता की फाइलें छोड़, राज नेताओं के बंगलों की परिक्रमा करने और पैर पकडऩे में जुटे हुए हैं। अब देखना यह है कि क्या शासन इन भ्रष्टाचारियों पर सीधे हथौड़ा चलाता है, या फिर नेताओं की शरण में गए इन कमीशन खोरों को अभय दान मिल जाता है।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत नैमेड़ बस स्टैंड में श्रमदान, हर रविवार सफाई का लिया संकल्प

बीजापुर/मूक पत्रिका

स्वच्छ भारत अभियान के तहत रविवार को नैमेड़ व्यापारी संघ के नेतृत्व में बस स्टैंड परिसर में श्रमदान कर साफ-सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मिलकर बस स्टैंड परिसर की सफाई की तथा स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया।व्यापारी संघ के अध्यक्ष सेंड्रा श्रवण के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में भाजपा जिला उपाध्यक्ष दयाशंकर पटेल, ग्राम प्रमुख लच्छू ओयाम, उपसरपंच दीपक कोरसा, पंचायत सचिव अशोक गिरी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने श्रमदान कर सार्वजनिक स्थल की साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस दौरान उपस्थित लोगों ने निर्णय लिया कि स्वच्छ भारत अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिए हर रविवार किसी न किसी सार्वजनिक स्थल का चयन कर सामूहिक रूप से सफाई अभियान चलाया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छ वातावरण से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है और इसके लिए जनभागीदारी आवश्यक है।अभियान में आनंद राव, बालाराम सेन, रिंकू सिंह, गुलाब सिंह सहित व्यापारी संघ के सदस्य और अन्य ग्रामीण भी मौजूद रहे।

हर रविवार चलेगा सफाई अभियान - नैमेड़ व्यापारी संघ ने निर्णय लिया है कि गांव और आसपास के सार्वजनिक स्थलों की नियमित साफ-सफाई के लिए प्रत्येक रविवार श्रमदान किया जाएगा। इसके तहत हर सप्ताह एक स्थान का चयन कर व्यापारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मिलकर सफाई अभियान चलाएंगे।

कंचनपुर बैरियर पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, थार वाहन से 9.92 लाख रुपये नकद जब्त

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सरिया पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए एक थार वाहन से 9 लाख 92 हजार 900 रुपये नकद बरामद किए हैं। नकदी के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने राशि और वाहन को जब्त कर आगे की जांच के लिए आयकर विभाग को सौंप दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 13 जून की शाम कंचनपुर बैरियर में थाना प्रभारी सरिया के नेतृत्व में एमसीपी लगाकर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान सरिया से ओडिशा की ओर जा रही लाल रंग की थार वाहन क्रमांक ओडी 17 एए 9999 को रोककर जांच की गई। वाहन में चालक लक्ष्मण मंचम निवासी प्रधानपाली, जिला बरगढ़ (ओडिशा) सवार था। जांच के दौरान वाहन में रखे बैग से 9 लाख 92 हजार 900 रुपये नकद मिले। पूछताछ में चालक ने बताया कि वह एक सीड्स कंपनी में कार्यरत है और उक्त रकम लेकर ओडिशा जा रहा था। पुलिस ने नकदी के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने कहा, लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में धारा 106 बीएनएसएस के तहत नकदी और वाहन को जब्त कर लिया। पूरी रकम को सीलबंद कर अग्रिम जांच के लिए आयकर विभाग बिलासपुर को सौंपा गया है। मामले की जांच जारी है।

बुदबुदा पंचायत में 15वें वित्त आयोग की राशि की जांच शुरू, गठित टीम की निष्पक्षता पर टिकी सबकी निगाहें..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत बुदबुदा में 15वें वित्त आयोग की राशि के उपयोग को लेकर लगाए गए वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए जिला प्रशासन ने उच्च स्तरीय जांच टीम गठित कर दी है। शिकायतकर्ता हेमन्त पटेल द्वारा कलेक्टर को की गई शिकायत और मामले के सार्वजनिक होने के बाद प्रशासन ने जांच प्रक्रिया शुरू की है। जारी आदेश के अनुसार जूली तिर्की (उप संचालक पंचायत), ममता सारथी (लेखाधिकारी, जिला पंचायत) और लक्ष्मी कुमार जांगड़े (अनुविभागीय अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, उपसंभाग, बरमकेला) को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। टीम को पंचायत में हुए कार्यों, खर्च और अभिलेखों की जांच सहित भौतिक सत्यापन कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। हालांकि जांच टीम के गठन के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या जांच अधिकारी पूरे मामले की निष्पक्ष और तथ्यात्मक जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा करेंगे या फिर आरोपों के घेरे में आने वाले जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास होगा। पंचायत क्षेत्र में भी इस बात को लेकर चर्चा तेज है और ग्रामीण जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। शिकायतकर्ता एवं पत्रकार हेमन्त पटेल ने कहा कि उन्हें जिला प्रशासन और देश की व्यवस्था पर पूरा विश्वास है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जांच अधिकारी बिना किसी पक्षपात के निष्पक्ष जांच करेंगे और यदि जनता के पैसों का दुरुपयोग हुआ है तो दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अब पूरे मामले में सभी की निगाहें जांच टीम की रिपोर्ट और प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

मनीष परियानी और गिरीश माखिजा गिरफ्तार

उधारी रकम की जबरन वसूली के लिए घर में घुसकर मारपीट करने वाले गुण्डा बदमाश कपिल सोलंकी,

रायगढ़ /मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर जिले में गुण्डा तत्वों एवं असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कोतवाली पुलिस ने उधारी रकम की जबरन वसूली के लिए घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने वाले गुण्डा बदमाश कपिल सोलंकी एवं उसके दो साथियों मनीष परियानी और गिरीश माखीजा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है।

उधारी रकम की वसूली के नाम पर घर में घुसकर की मारपीट–मामले में आशीर्वाद पूरम कॉलोनी रायगढ़ निवासी कमलेश सिंह उम्र 52 वर्ष द्वारा दिनांक 13.06.2026 को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह कोयला ट्रांसपोर्टिंग का कार्य करता है। प्रार्थी ने बताया कि कुडेकेला निवासी ललेश अग्रवाल का लगभग 07 लाख रुपये भुगतान आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण पिछले करीब तीन वर्षों से नहीं कर पाया है। प्रार्थी के अनुसार, दिनांक 11.06.2026 की दोपहर गुण्डा बदमाश कपिल सोलंकी अपने हाथ में लकड़ी का डंडा लेकर अपने साथी मनीष परियानी एवं गिरीश माखीजा के साथ उसके घर में जबरन घुस आया। आरोपियों ने पीड़ित को धमकाते हुए कहा कि ÷तू हम लोगों को नहीं जानता है, तेरा मर्डर करवा देंगे।÷ इसके बाद ललेश अग्रवाल का पैसा वापस करने की बात कहते हुए पीड़ित से 10 लाख रुपये की मांग की गई तथा हाथ-मुक्के और डंडे से उसकी मारपीट की गई।

कोतवाली पुलिस ने दर्ज किया अपराध, एसएसपी के निर्देश पर शुरू हुई कार्रवाई–पीड़ित की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 315/2026 के तहत धारा 351(3), 115(2), 331(1), 3(5) बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया। गुण्डा बदमाश कपिल सोलंकी की गतिविधियों की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के संज्ञान में आने पर उन्होंने कोतवाली पुलिस को तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए

मुख्य आरोपी से पूछताछ के बाद दो अन्य साथी भी गिरफ्तार–कोतवाली पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान मुख्य आरोपी कपिल सोलंकी को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपने साथी गिरीश माखीजा एवं मनीष परियानी के घटना में शामिल होने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी कर दोनों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया, जिन्हें आज न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेजा गया।

तीनों आरोपियों का रहा है आपराधिक इतिहास–आरोपी कपिल सोलंकी थाना कोतवाली क्षेत्र का चिन्हांकित गुण्डा बदमाश है। वर्ष 2014 से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त कपिल के विरुद्ध एक पॉक्सो एक्ट, एक हत्या के प्रयास, तीन आर्म्स एक्ट, चार बलवा तथा नौ मारपीट के अपराध दर्ज हैं।आरोपी मनीष परियानी के विरुद्ध थाना चक्रधरनगर में वर्ष 2010 से विभिन्न आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें एक लूट, एक प्रताड़ना, एक मारपीट, पांच आबकारी एक्ट तथा दो जुआ एक्ट के अपराध शामिल हैं। आरोपी पर समय-समय पर चक्रधरनगर पुलिस द्वारा 13 बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है तथा उसके विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई भी की जा चुकी है।वहीं आरोपी गिरीश माखीजा के विरुद्ध थाना चक्रधरनगर में दो जुआ, तीन सट्टा तथा तीन मारपीट के अपराध दर्ज हैं। चक्रधरनगर पुलिस द्वारा उसे गुण्डा सूची में शामिल करने की कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी :-1. कपिल सोलंकी पिता श्री जयराम सोलंकी, उम्र 36 वर्ष, निवासी स्टेशन चौक गुजरातीपारा, थाना कोतवाली, जिला रायगढ़ (छ.ग.)।2. मनीष परियानी पिता श्री कैलाश परियानी, उम्र 34 वर्ष, निवासी सिंधी कॉलोनी पक्की खोली, थाना चक्रधरनगर, जिला रायगढ़ (छ.ग.)।3. गिरीश माखीजा पिता श्री सुरेश माखीजा, उम्र 38 वर्ष, निवासी सिंधी कॉलोनी पक्की खोली, थाना चक्रधरनगर, जिला रायगढ़ (छ.ग.)

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने फुटबॉल प्रशंसकों के लिए शुरू किया बिग गेम, बिगर स्क्रीन, बिगेस्ट मोमेंट्स कैम्पेन

गुरुग्राम: सैमसंग इंडिया ने आज फुटबॉल प्रेमियों के लिए अपने विजन एआई बिग टीवी पर विशेष ऑफर्स की घोषणा की है। बिग गेम, बिगर स्क्रीन, बिगेस्ट मोमेंट्स नामक इस कैम्पेन के तहत कंपनी ग्राहकों को घर बैठे टीवी पर मैच देखने का रोमांचक अनुभव देती है, जो उन्हें स्टेडियम जैसा रोमांच महसूस कराता है। सैमसंग की 2026 विजन एआई टीवी सीरीज में मौजूद एआई सॉकर मोड फुटबॉल मैच के हर पल को और रोमांचक बना देता है। यह रिकॉर्ड-टाइम में दृश्यों का विश्लेषण कर गेंद की तेज रफ्तार को अधिक स्पष्टता से दिखाता है, रंगों को और निखारता है और ऐसा साउंड अनुभव देता है, जिससे आप स्टेडियम में बैठकर मैच का आनंद ले रहे हों। विजन एआई कंपैनियन (वीएसी) सैमसंग टीवी में एआई प्लेटफॉर्म्स जैसे बिक्सबी, परप्लेक्सिटी और माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट को एकीकृत करता है, जो एआई अपस्केलिंग प्रो के साथ कम रिज़ॉल्यूशन वाले कंटेंट को बेहतर विवरण, गहराई और कंट्रास्ट के साथ पेश करता है। कलर बूस्?टर प्रो रंगों को अधिक जीवंत और वास्तविकता के करीब बनाता है, जबकि एआई साउंड कंट्रोलर कमेंट्री, संगीत और दर्शकों के शोर को संतुलित कर अविस्मरणीय साउंड अनुभव देता है।

टोइंग ने अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए भारत के 45 शहरों में अपनी मौजूदगी दर्ज की

रायपुर - किफायती फूड डिलीवरी ऐप 'टोइंग' ने रायपुर में अपने लॉन्च की घोषणा की। पिछले 7+ महीनों में, टोइंग ने अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए भारत के 45 शहरों में अपनी मौजूदगी दर्ज की है और यह अपने ऐप पर खाने-पीने की सभी चीजों पर सबसे कम कीमत की गारंटी देता है, जो रेस्टोरेंट के टेबल मेन्यू की कीमत के बराबर या उससे कम होती है। इसके अलावा, टोइंग पर किए गए किसी भी ऑर्डर पर न तो पैकेजिंग चार्ज लिया जाता है और न ही कोई प्लेटफॉर्म फीस। इससे टोइंग बाजार में उपलब्ध सबसे किफायती फूड डिलीवरी ऐप बन जाता है। यूजर्स इस ऐप पर बिरयानी, बर्गर और बाउल जैसे कई तरह के व्यंजन 99 रुपये से कम में ऑर्डर कर सकते हैं।टोइंग, जिसे 2025 की दूसरी छमाही में पहली बार पुणे में लॉन्च किया गया था, अब आगरा, वडोदरा, गुवाहाटी,नासिक, नागपुर, पटना, औरंगाबाद, भोपाल, दिल्ली, मेरठ, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, चंडीगढ़, अहमदाबाद, मुंबई, कोलकाता, जयपुर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, इंदौर, भुवनेश्वर, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, लुधियाना, कोयंबटूर, विशाखापट्टनम, सूरत, मंगलुरू, राजकोट, देहरादून, मुदराई, तिरुपति, गोवा, जम्मू, कोटा, मैसूर, रांची, जालंधर और पटियाला में भी लाइव है।

अवैध पार्किंग, अनधिकृत ढाबों और दुर्घटना के कारणों पर सख्ती के निर्देश

सड़क सुरक्षा में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त-कलेक्टर

■ सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर एवं एसएसपी ने की विस्तृत समीक्षा

बिलासपुर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण तथा नागरिकों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने आज जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर सड़क सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों एवं ग्रामीण सड़कों पर दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों, सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के पालन तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से अवगत कराते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध रूप से खड़े ट्रक एवं भारी वाहन दुर्घटनाओं का बड़ा कारण हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे नागरिकों के जीवन के अधिकार से जुड़ा गंभीर विषय माना है। उन्होंने निर्देश दिए कि वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों एवं ले-बाय में ही खड़े किए जाएं। प्रारंभिक स्तर पर वाहन मालिकों एवं चालकों को चेतावनी देकर मोहलत दी जाए, इसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि सड़क किनारे संचालित कई ढाबों एवं होटलों के कारण अवैध पार्किंग की समस्या उत्पन्न होती है। ऐसे प्रतिष्ठानों को स्वयं पार्किंग की समुचित व्यवस्था करनी होगी। आवश्यकता होने पर निजी भूमि मालिकों की सहमति से पार्किंग विकसित की जा सकती है। उन्होंने सड़क किनारे उपलब्ध शासकीय भूमि का भी सर्वे कर पार्किंग के लिए चिन्हांकन करने के निर्देश दिए। साथ ही पार्किंग स्थलों पर मार्गदर्शन हेतु कर्मियों की व्यवस्था करने को कहा। बरसात के मौसम को देखते हुए कलेक्टर ने सड़कों पर घूमने अथवा बैठने वाले मवेशियों के प्रभावी प्रबंधन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में मवेशियों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसके लिए गोधन आश्रय स्थलों, गौठानों एवं गोधामों को अभी से तैयार रखा जाए। वहां साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं चारे-पानी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पेट्रोलिंग दलों एवं फ्लाइंग स्क्वॉड को नियमित निगरानी करने तथा अवैध रूप से संचालित ढाबों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश भी दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के सभी निर्देशों का जिले में कड़ाई से पालन कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में कमी दर्ज की गई है, फिर भी सुधार की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। पिछले छह माह के दौरान जिले में सड़क दुर्घटनाओं से 151 लोगों की मृत्यु हुई है। रतनपुर, तखतपुर एवं मस्तूरी थाना क्षेत्रों में सर्वाधिक दुर्घटनाएं और मौतें दर्ज की गई हैं। उन्होंने थाना-वार दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए उनके प्रमुख कारणों का विश्लेषण किया तथा संबंधित विभागों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

प्रतिभा,अभिव्यक्ति एवं आत्मविश्वास का उत्सव 'एसईसीएल नारी राग-रंग महोत्सव 2026' का भव्य शुभारंभ किया गया

■ नारी राग-रंग महोत्सव महिलाओं के भीतर छिपी प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें नई पहचान दिलाने का सशक्त मंच है -शशि दुहन

बिलासपुर। एसईसीएल श्रद्धा महिला मंडल तत्वावधान में आयोजित नारी राग-रंग महोत्सव 2026 का आज एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण के बीच शुभारंभ हुआ। महिलाओं की प्रतिभा, रचनात्मकता, अभिव्यक्ति एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस दो दिवसीय महोत्सव में बड़ी संख्या में महिला प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन एवं उपाध्यक्षागण श्रीमती अनीता फ्रैंकलिन, श्रीमती इप्सिता दास, श्रीमती हसीना कुमार तथा श्रीमती शुभश्री महापात्र द्वारा दीप प्रवलन के साथ किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा महिला मंडल की कार्यकारिणी सदस्याएँ, कर्मचारीगण एवं उनके परिजन भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में श्रीमती शशि दुहन ने कहा कि नारी राग-रंग महोत्सव महिलाओं को अपनी प्रतिभा और सृजनात्मकता प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करने की पहल है। ऐसे आयोजन महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें नई प्रेरणा एवं सीख प्राप्त करने का अवसर भी देते हैं। महोत्सव के प्रथम दिवस पर गीत गायन, एकल नृत्य, मोनो एक्ट, चित्रकला, रंगोली, मेहंदी एवं वेस्ट मटेरियल आर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति, मंचीय कौशल एवं रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का मन मोह लिया। गीत गायन एवं एकल नृत्य प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं, वहीं मोनो एक्ट प्रतियोगिता में अभिनय एवं अभिव्यक्ति कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिला। चित्रकला, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों की सृजनात्मकता के विविध रंग उभरकर सामने आए। वेस्ट मटेरियल आर्ट प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अनुपयोगी सामग्रियों से आकर्षक एवं उपयोगी कलाकृतियाँ तैयार कर पर्यावरण संरक्षण एवं संसाधनों के पुनः उपयोग का संदेश दिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन हेतु संगीत, नृत्य एवं ललित कला क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा एवं उपाध्यक्षों द्वारा सभी निर्णायकों का सम्मान भी किया गया। महोत्सव का द्वितीय एवं अंतिम दिवस 13 जून 2026 को आयोजित होगा, जिसमें समूह गायन, समूह नृत्य, स्टैंड-अप कॉमेडी/मिमिक्री तथा नाटक/स्किट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।

बिलासपुर मंडल में नाका टिकट चेकिंग अभियान जारी

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं बेहतर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने तथा वैध टिकट लेकर यात्रा करने की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 21 मई से 14 जून 2026 तक विशेष नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के साथ-साथ रेलवे राजस्व में वृद्धि एवं अधिकृत टिकटधारी यात्रियों को बेहतर यात्रा वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अभियान के तहत दिनांक 11 जून 2026 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री एस. भारतीयन, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री डी एस चौहान के नेतृत्व में बिलासपुर स्टेशन में नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक, टीटीई एवं आरपीएफ स्टाफ भी शामिल थे। इस विशेष जांच अभियान के दौरान बिलासपुर स्टेशन एवं यहाँ से गुजरने वाली 20 ट्रेनों की सघन जांच कर कुल 644 मामलों से कुल 4,13,970 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा के 380 मामलों से 02 लाख 87 हजार 515 रुपये, अनियमित टिकट के 245 मामलों से 01 लाख 24 हजार 555 रुपये तथा बिना बुक किए गए लगेज के 19 मामलों से 01 हजार 900 रुपये जुर्माना शामिल है रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व उचित यात्रा टिकट अवश्य लें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश हेतु प्लेटफॉर्म टिकट खरीदें।

साथ ही रेलगाड़ी एवं रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें तथा गंदगी फैलाने एवं धूम्रपान जैसी गतिविधियों से बचें।

प्ररूप- (एक)
॥ शपथ-पत्र ।।

मैं दुखीत राम ध्रुव (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी जटाऊ पुव ग्राम तिलईपार पोस्ट हरदी तह-- नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.) का निवासी हू एतद्द्वारा में पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ:- 1. मैं दुखीत राम ध्रुव पिता जटाऊ ध्रुव निवासी ग्राम तिलईपार पोस्ट हरदी तह- नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूँ।

2. मेरा पुराना नाम दुखीत राम ध्रुव पिता जटाऊ ध्रुव है और मैं अपना नाम बदलकर दुखीत राम ध्रुव से (नया नाम) मुन्ना राम ध्रुव करवाना चाहता हूँ।

3. मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। 4. यह की मेरे आधार कार्ड वोटर आईडी कार्ड एवं अन्य दस्तावेज़ मे मेरा नाम दुखित राम ध्रुव एवं मेरे सभी बच्चों के बोर्ड मार्कशीट एवं अन्य दस्तावेज मे मेरा नाम मुन्ना राम ध्रुव अंकित है।

5. यह की दुखीत राम ध्रुव पिता जटाऊ ध्रुव और मुन्ना राम ध्रुव पिता जटाऊ ध्रुव दोनों नाम एक ही व्यक्ति का है जो की सत्य एवं सही है।

6. मैं नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूं, तो उसके लिए में पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूंगा।

7. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं ।

शपथकर्ता
दुखीत राम ध्रुव

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

क्र / Q / प्र./ तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2025-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदन कुमार ध्रुव पिता सुकालू ध्रुव निवासी ग्राम झालम तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने माताजी माखिन भाई पति सुकालू के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका ग्राम झालम में मृत्यु दिनांक 13/06/2021 को निवास साकिन में होना व भूलवश ग्राम/नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 22/06/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनाँक 05/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी ।

मुहर **नायब तहसीलदार**
बेमेतरा (छ.ग.)

।। न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला - बेमेतरा (छ. ग.) ।।

ईश्तहार

क्र./472/प्र./ना. तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब - 121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक सोहन सिंह वर्मा पिता इंदलाल वर्मा उम्र लगभग 70 वर्ष जाति कुर्मी निवासी ग्राम लोलेसरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ. ग.) के द्वारा आवेदक अपने पिता का मृत्यु ग्राम लोलेसरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) में दिनांक 24.02.2001 को होना और भूलवश मृत्यु का पंजीयन नही करा पाना बताया गया है। अतः आवेदक अपने पिता इंदलाल वर्मा पिता हिमांचल वर्मा का मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा आपत्ति हो तो वह नियत पेशी दिनांक 18/06/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपने दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है उक्त तिथी के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मोहर सहित ईश्तहार जारी ।

मुहर **नायब तहसीलदार**
बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

क्र / Q / प्र./ तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2025-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उमेश रावते पिता धरमू रावते निवासी ग्राम जिया तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपनी बहन सुकवारो बाई पिता छबली के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका ग्राम जिया में मृत्यु दिनांक 15/09/2012 को निवास साकिन में होना व भूलवश ग्राम/नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 18/06/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनाँक 04/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी ।

मुहर **नायब तहसीलदार**
बेमेतरा (छ.ग.)

नाम परिवर्तन की सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं परमेश्वर चन्द्राकर पिता आजूराम चन्द्राकर उम्र 29 वर्ष जाति- कुर्मी, निवासी ग्राम दैहान पारा, मस्तरा, पोस्ट-खण्डसरा, तहसील दाढ़ी, जिला- बेमेतरा छ.ग., पिन कोड नंबर 491335 के मेरे नाम से जारी व समस्त शासकीय राजस्व दस्तावेजों में मेरा तामेश्वर चन्द्राकर पिता आजूसम चन्द्राकर नाम दर्ज है तथा मेरे नाम से जारी शैक्षणिक व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम परमेश्वर चन्द्राकर (PARMESHWAR CHANDRAKAR) पिता आजूराम चन्द्राकर (AAJURAM CHANDRAKAR) त्रुटिवश दर्ज हो गया है। जिसे सुधार कर परमेश्वर चन्द्राकर (PARMESHWAR CHANDRAKAR) पिता आजूराम चन्द्राकर (AAJURAM CHANDRAKAR) लिखा एवं पढ़ा जाने के आशय का शपथ पत्र दिनांक 11/06/2026 को मेरे द्वारा श्रीमान् अनुविभागीय दण्डाधिकारी बेमेतरा, जिला बेमेतरा छ.ग. के समक्ष निष्पादित करवाया गया है । अस्तु आज दिनांक 11/06/26 पश्चात् से मेरे आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम पनमेश चन्द्राकर (PANMESH CHANDRAKAR) पिता आजूराम चन्द्राकर (AAJURAM CHANDRAKAR) दर्ज किया जाकर जाना तथा पहचाना जाये ।

परमेश्वर चन्द्राकर पिता आजूराम चन्द्राकर
निवासी दैहान पारा, ग्राम मरतरा, पोस्ट खण्डसरा, तहसील दाढ़ी जिला- बेमेतरा छ.ग.

नाम परिवर्तन की सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं पनमेश चन्द्राकर पिता आजूराम चन्द्राकर उम्र 30 वर्ष जाति- कुर्मी, निवासी ग्राम दैहान पारा, मरतरा, पोस्ट-खण्डसरा, तहसील दाढ़ी, जिला- बेमेतरा छ. ग., पिन कोड नंबर 491335 के मेरे नाम से जारी व समस्त शासकीय राजस्व दस्तावेजों में मेरा परमेश्वर चन्द्राकर पिता आजूराम चन्द्राकर नाम दर्ज है तथा मेरे नाम से जारी शैक्षणिक व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम पनमेश चन्द्राकर (PANMESH CHANDRAKAR) पिता आजूराम चन्द्राकर (AAJURAM CHANDRAKAR) त्रुटिवश दर्ज हो गया है। जिसे सुधार कर पनमेश चन्द्राकर (PANMESH CHANDRAKAR) पिता आजूराम चन्द्राकर (AAJURAM CHANDRAKAR) लिखा एवं पढ़ा जाने के आशय का शपथ पत्र दिनांक 11/06/2026 को मेरे द्वारा श्रीमान् अनुविभागीय दण्डाधिकारी बेमेतरा, जिला बेमेतरा छ.ग. के समक्ष निष्पादित करवाया गया है। अस्तु आज दिनांक 11/06/26 पश्चात् से मेरे आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम पनमेश चन्द्राकर (PANMESH CHANDRAKAR) पिता आजूराम चन्द्राकर (AAJURAM CHANDRAKAR) दर्ज किया जाकर जाना तथा पहचाना जाये ।

पनमेश पिता आजूराम
निवासी दैहान पारा, ग्राम मरतरा पोस्ट खण्डसरा, तहसील दाढ़ी जिला - बेमेतरा छ. ग., पिन कोड नंबर 491335

नाम परिवर्तन की सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार रामभजन चन्द्राकर पिता झंगलु चन्द्राकर उम्र 40 वर्ष जाति- कुर्मी, निवासी ग्राम मरतरा, पोस्ट - खण्डसरा, तहसील- दाढ़ी, जिला बेमेतरा छ.ग. के पुत्र निलेश कुमार चंद्राकर (NILESH KUMAR CHANDRAKAR) पिता रामभजन चंद्राकर (RAMBHAJAN CHANDRAKAR) के जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजो में मेरे पक्षकार के पुत्र का नाम निलेश कुमार चंद्राकर (NILESH KUMAR CHANDRAKAR) पिता रामभजन चंद्राकर (RAMBHAJAN CHANDRAKAR) नाम दर्ज है तथा मेरे पक्षकार के पुत्र के नाम से जारी ऋण पुस्तिका में मेरे पक्षकार के पुत्र का नाम निखिल (NIKHIL) पिता रामभजन (RAMBHAJAN) त्रुटिवश दर्ज हो गया है। जिसे सुधार कर निलेश कुमार चंद्राकर (NILESH KUMAR CHANDRAKAR) पिता रामभजन चंद्राकर (RAMBHAJAN CHANDRAKAR) लिखा एवं पढ़ा जाने के आशय का शपथ पत्र दिनांक 11/06/2026 को मेरे पक्षकार द्वारा श्रीमान् अनुविभागीय दण्डाधिकारी बेमेतरा, जिला बेमेतरा छ.ग. के समक्ष निष्पादित करवाया गया है। अस्तु आज दिनांक 11/06/2026 पश्चात् से मेरे पक्षकार के पुत्र के आधार कार्ड में मेरे पक्षकार के पुत्र का नाम निलेश कुमार चंद्राकर (NILESH KUMAR CHANDRAKAR) पिता रामभजन चंद्राकर (RAMBHAJAN CHANDRAKAR) किया जावे तथा पहचाना जाये ।

राजेन्द्र कुमार पुरेना
(अधिवक्ता) जिला एवं सत्र न्यायालय बेमेतरा छ.ग.
मो नं. 7566310303

नाम परिवर्तन की सूचना

मैं विशाल कुमार पिता हीरालाल आयु 18 वर्ष, निवासी ग्राम मुरकूटा, पोस्ट कुंरा, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं :-

1. यह कि, मैं उपरोक्त नाम व पते का निवासी हूं ।

2. यह कि, मेरे नाम से जारी आधार कार्ड क्रं. 4902 18587570 में मेरा नाम- बिसाल भारती (BISAL BHARATI) पिता हीरालाल भारती दर्ज है, जबकि मेरे मार्कशीट, शासकीय / अर्द्धशासकीय / अशासकीय एवं अन्य संबंधित दस्तावेजों में मेरा नाम विशाल कुमार (VISHAL KUMAR) पिता हीरालाल दर्ज है, जो कि मेरा सही वास्तविक नाम है । अब मैं अपना नाम विशाल कुमार (VISHAL KUMAR) पिता हीरालाल रखना चाहता हूं और इसी नाम से जाना व पहचाना जाना चाहता हूं, तथा नाम में एकरूपता लाने हेतु अब मैं अपना नाम विशाल कुमार (VISHAL KUMAR) पिता हीरालाल रखना चाहता हूं,

जिसके चलते मेरे आधार कार्ड / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अशासकीय व अन्य समस्त दस्तावेज में जहाँ कहीं भी मेरा नाम बिसाल भारती (BISAL BHARATI) पिता हीरालाल भारती दर्ज के स्थान पर संशोधन कर- विशाल कुमार (VISHAL KUMAR) पिता हीरालाल दर्ज कराना चाहता हूं एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहता हूं ।

3. यह कि, मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है ।

4. यह कि, मैं नाम बदलकर यदि गैरकानूनी काम करता/करती हूं तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूंगा / रहूंगी।

5. यह कि, उक्त कथन के समर्थन में यह शपथ-पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है ।

विशाल
शपथकर्ता

नाम परिवर्तन की सूचना

मैं टामिन पिता बल्लू आयु 18 वर्ष, जाति तेली, निवासी ग्राम रेवे पोस्ट पतोरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं :-

1. यह कि, मैं उपरोक्त नाम व पते की निवासी हूं ।

2. यह कि, मेरे नाम से जारी आधार कार्ड क्रं. 8628 95813074 में मेरा नाम टामीन (THAMIN) पिता बल्लू राम त्रुटिवश दर्ज है, जबकि मेरे अंकसूची, में शासकीय / अर्द्धशसकीय/अशासकीय व अन्य संबंधित दस्तावेजों में मेरा नाम टामिन (TAMIN) पिता बल्लू दर्ज है, जो कि मेरा सही वास्ताविक नाम है। अब मैं अपना नाम टामिन (TAMIN) पिता बल्लू रखना चाहती हूं और इसी नाम से जानी व पहचानी जाना चाहती हूं, तथा नाम में एकरूपता लाने हेतु अब मैं अपना नाम टामिन (TAMIN) पिता बल्लू रखना चाहती हूं,

जिसके चलते मेरे आधार कार्ड शासकीय / अर्द्धशसकीय / अशासकीय व अन्य संबंधित दस्तावेजों जहां कहीं भी मेरा नाम टामीन (THAMIN) पिता बल्लू राम दर्ज है के स्थान पर संसोधन कर - टामिन (TAMIN) पिता बल्लू दर्ज कराना चाहती हूं एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहती हूं। 3. यह कि, मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है ।

4. यह कि, मैं नाम बदलकर यदि गैरकानूनी काम करता/करती हूं तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूंगा / रहूंगी 7

5. यह कि, उक्त कथन के समर्थन में यह शपथ-पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है ।

टामिन
शपथकर्ती

नाम परिवर्तन की सूचना

मैं चंद्रप्रकाश बंजारे पिता ठाकुर राम बंजारे आयु 36 वर्ष, जाति सतनामी निवासी ग्राम चरगवां, पो. प्रतापपुर तहसील दाढ़ी, जिला बेमेतरा (छ.ग.) का निवासी हूं जो कि शपथपूर्वक कथन करता हूं कि :-

1. यह कि मेरा नाम पता उपर दर्शित अनुसार है।

2. यह कि, मेरे पुत्री के नाम से जारी आधार कार्ड क्रं. 5579 0678 3101 में माधरी बन्जारे (MADHRI BANJARE) पिता चंद्रप्रकाश बंजारे धरेलु नाम त्रुटिवश दर्ज जबकि उसके अंकसूची, जन्म शासकीय/अर्द्धशासकीय / अशासकीय व अन्य सम्बंधित दस्तावेजों में उसका नाम काजल बंजारे (KAJAL BANJARE) आ. चंद्रप्रकाश बंजारे दर्ज है जो उसका सही वास्तविक नाम है । मैं अब उसका नाम काजल बंजारे (KAJAL BANJARE) आ. चंद्रप्रकाश बंजारे रखना चाहता हूँ, इसी नाम से जानी व पहचानी जाना चाहती हूं, तथा नाम में एकरूपता लाने हेतु अब मैं उसका नाम काजल बंजारे (KAJAL BANJARE) आ. चंद्रप्रकाश बंजारे रखना चाहती हूं,

जिसके चलते उसके मेरे आधार कार्ड शासकीय / अर्द्धशासकीय / अशासकीय व अन्य समस्त दस्तवेजों में जहां कही भी उसका नाम माधरी बन्जारे (MADHRI BANJARE) पिता चंद्रप्रकाश बंजारे दर्ज है के स्थान पर संशोधन कर- काजल बंजारे (KAJAL BANJARE) आ. चंद्रप्रकाश बंजारे रखना चाहता हूं एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहता हूं।

3. यह कि, मैं अपने पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा ।

4. यह कि, मेरी पत्नी धरमीन बाई बंजारे को हमारे नाबालिग पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है ।

5. यह कि उक्त कथन के समर्थन में यह शपथ-पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है ।

चन्द्रप्रकाश
शपथकर्ता

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

पहले वनडे में कप्तान गिल ने नाबाद 84 रन बनाए; डेब्यू कर रहे गुरनूर-हर्ष को 3-3 विकेट

धर्मशाला। भारत ने बारिश से प्रभावित 25-25 ओवर के मैच में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। अफगानिस्तान के 194 रन के जवाब में शुभमन गिल (84*) और केएल राहुल (39*) की शानदार पारियों से भारत ने 22.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारत ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर तीन वनडे मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। शनिवार को धर्मशाला में खेले गए मुकाबले में बारिश ने खलल डाली थी, जिसकी वजह से मैच शुरू होने में देरी हुई। अंपायर्स ने ओवरों में कटौती के बाद मैच 25-25 ओवर कराने का फैसला लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ने रहमानुल्लाह गुरबाज की शतकीय पारी की मदद से 24.5 ओवर में 10 विकेट पर 194 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 22.5 ओवर में तीन विकेट पर 195 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया के लिए शुभमन गिल ने कप्तानी पारी खेली। वह 66 गेंदों में 84 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, केएल राहुल भी 19 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 39 रनों की नाबाद पारी खेलने में कामयाब हुए।

बतौर ओपनर रोहित ने पूरे किए 16 हजार अंतरराष्ट्रीय रन

195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार हुई। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीच पहले विकेट के लिए 46 रनों की साझेदारी हुई। रोहित इस दौरान 16 रन बनाकर रनआउट हो गए। हालांकि, उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। बतौर ओपनर उन्होंने 16 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए।

गिल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

रोहित के पवेलियन लौटने के बाद तीसरे नंबर पर आए ईशान किशन ने शुभमन गिल भरपूर साथ दिया। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 43 गेंदों में 70 रनों की साझेदारी हुई। किशन 22 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान कप्तान शुभमन गिल ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह वनडे में पारियों के लिहाज से सबसे तेज 3000 रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने यह कारनामा 62 पारियों में किया। इस मामले में शीर्ष पर हाशिम अमला हैं, जिन्होंने 57 पारियों में 3000 वनडे रन पूरे किए।

फिलीपींस में एवीसी वुमेंस कप में खेलती हुई कजाकिस्तान और वियतनाम की महिला टीमें

पंजाब। भारतीय एथलीट तेजस शिर्से ने हर्डल रेस में नया रिकॉर्ड बना दिया है। उन्होंने शनिवार को 110 मीटर की रेस 13.27 सेकेंड में पूरी की। तेजस ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने मई 2024 में फिनलैंड के जैवस्किला में मोटोनेट जीपी मीट में 13.41 सेकेंड का रिकॉर्ड बनाया था।तेजस ने पंजाब के लुधियाना स्थित गुरु नानक स्टेडियम में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-9 में यह रिकॉर्ड बनाया। वे इस टूर्नामेंट में रिलायंस फाउंडेशन को रिप्रेजेंट कर रहे थे।

कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई किया

तेजस ने कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई कर लिया। उनका निर्धारित क्वालिफिकेशन मार्क 13.39 सेकेंड से बेहतर रहा। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आयोजन 23 जुलाई से 2 अगस्त तक स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होगा।

रांची में गोल्ड मेडल जीता

तेजस चोट के कारण कुछ समय ट्रैक से दूर रहे थे। इसके बाद उन्होंने रांची में हुए फेडरेशन कप 2026 में गोल्ड मेडल जीता था।

एशिया का छठा बेस्ट प्रदर्शन

तेजस ने 13.27 सेकेंड का समय निकालकर एशिया का छठा बेस्ट प्रदर्शन भी दर्ज किया। यदि उनका चयन भारतीय टीम में होता है तो वह 2014 में सिद्धार्थ थिंगालाया के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेने वाले पहले भारतीय मेंस 110 मीटर हर्डलर बन जाएंगे।

ब्रीफ न्यूज

टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट 2026 : भारतीय टीम पहले ही मैच में पाकिस्तान को हराकर जीत से शुरुआत करने उतरेगी

शाम 7 :00 बजे शुरू होगा मैच

बर्मिंघम। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को यहां टी20 विश्वकप के अपने पहले ही मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। विश्वकप मुकाबलों में हमेशा से ही भारतीय टीम पाक पर हावी रही है। ऐसे में प्रशंसक इस रोमांचक मुकाबले का काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम ने इससे पहले एकदिवसीय विश्वकप जीता था। वहीं अब उसका लक्ष्य पहली बार टी20 विश्व कप खिताब जीतना रहेगा। भारतीय टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है जिसका उसे लाभ मिलेगा। बल्लेबाजी में भारतीय टीम के पास कप्तान हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा व जेमिमा रोड्रिग्स जैसी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी में उसके पास रेणुका सिंह, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा जैसी गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के हालातों में रेणुका की स्विंग गेंदबाजी और दीप्ति की सटीक लाइन-लेंथ का सामना करना पाक बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन होगा।

दिल्ली से ऑस्ट्रेलियाई टीम तक का सफर, निखिल चौधरी रच सकते हैं इतिहास

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच 17 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए घोषित ऑस्ट्रेलियाई टीम में भारतीय मूल के क्रिकेटर निखिल चौधरी को शामिल किया गया है। 30 वर्षीय निखिल के चयन ने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है, क्योंकि वह छह दशक से अधिक समय बाद ऑस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम में शामिल होने वाले भारत में जन्मे पहले खिलाड़ी बन सकते हैं। यदि उन्हें अंतिम एकादश में खेलने का मौका मिलता है, तो यह उनके करियर के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इतिहास का भी एक महत्वपूर्ण क्षण होगा। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ी पहले भी खेल चुके हैं। गुरिंदर संधू और तनवीर संघा जैसे खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन भारत में जन्मे किसी पुरुष क्रिकेटर को 1960 के दशक के बाद राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली थी।

फीफा वर्ल्डकप- इंग्लैंड टीम का सामान चोरी

गाड़ी से ही फुटबॉल-जूते ले गए चोर; कैंसास पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया

ब्रिटेन। फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड फुटबॉल टीम का सामान चोरी हो गया। यह घटना शुक्रवार को हुई। टीम का सामान फ्लोरिडा में लगे प्री-टूर्नामेंट कैंप से अमेरिका के कैंसास सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज ले जाया जा रहा था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैंसास सिटी पहुंचने के बाद टीम के वाहन से सामान गायब मिला। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोरी हुए सामान में फुटबॉल और खिलाड़ियों के बूट्स शामिल हैं। कैंसास पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मामले की जांच जारी है। स्वोप सॉकर विलेज कैंसास सिटी में स्थित एक फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर है। इंग्लैंड टीम ने वर्ल्ड कप 2026 के दौरान इसे अपने बेस कैंप और ट्रेनिंग वेन्यू के रूप में चुना है। स्थानीय पुलिस ने शुरू की जांच, 2 लोग हिरासत में कैंसास सिटी पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि टीम के वाहन से सामान गायब होने और संभावित चोरी के मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जांच अभी जारी है। इस मामले में दो संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

ग्रुप-रु में शामिल है इंग्लैंड, 18 जून को पहला मैच

वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड की टीम ग्रुप-रु में है। इस ग्रुप में इंग्लैंड के साथ क्रोएशिया, घाना और पनामा की टीमें मौजूद हैं। भारतीय समयानुसार इंग्लैंड की टीम 18 जून को क्रोएशिया के खिलाफ मैच अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी। इस वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की कप्तानी हैरी केन कर रहे हैं। केन अपना तीसरा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। इस वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की कप्तानी हैरी केन कर रहे हैं। केन अपना तीसरा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं।

बांग्लादेशी क्रिकेटर को पुलिस ने सड़क पर पीटा:गला पकड़कर गाड़ी में बैठाया

फिर डंटे से मारा; एयरपोर्ट से घर जा रहे थे नईम हसन

चटगांव। बांग्लादेश टेस्ट टीम के स्पिनर नईम हसन ने चटगांव पुलिस पर मारपीट और गाली देने के आरोप लगाए हैं। नईम का दावा है कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें गला पकड़कर गाड़ी में बैठाया और फिर डंटे से पीटा। 26 साल के क्रिकेटर ने कहा- मैंने अधिकारियों को अपने नेशनल क्रिकेटर होने की बात भी बताई, लेकिन वे नहीं रुके।

नईम ढाका प्रीमियर लीग में प्राइम बैंक क्रिकेट क्लब के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद 12 जून की रात फ्लाइट से चटगांव पहुंचे थे। वे रात 11:25 बजे ष्ट्हत्न ऑटो से घर लौट रहे थे, तब लंकन बाजार फ्लाईओवर के नीचे पुलिस ने उनका वाहन रोक लिया और मारपीट की।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार तीन अधिकारियों को हटा दिया गया है। नईम जिम्बाब्वे के खिलाफ इकलौटे टेस्ट के लिए बांग्लादेश के टेस्ट टीम में चुने गए हैं। नईम बोले- मुझे पीटा...गालियां भी दीं मैंने पुलिस से कहा कि जरूरत हो तो उनका बैग चेक कर लिया जाए, लेकिन इसके बावजूद पुलिसकर्मियों ने उनका गला पकड़ लिया और जबरन अपनी गाड़ी में बैठा लिया। नईम का आरोप है कि उन्हें पीटा गया और अपशब्द कहे गए।

49 की उम्र में थमा चैंपियन शूटर राणा का सफर

18 में अर्जुन अवॉर्ड तो 21 में मिला पद्मश्री, काशी में आखिरी इच्छा हुई पूरी

देहरादून। उत्तराखंड में जन्मे दिग्गज शूटर, पद्मश्री और अर्जुन अवॉर्डी जसपाल राणा (49) को शनिवार शाम वाराणसी में अंतिम विदाई दी गई। उनके बेटे युवराज (21) ने मुखाग्नि दी। परिवार ने उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए मणिकर्णिका घाट पर अंतिम संस्कार कराया।

शनिवार दोपहर उनका पार्थिव शरीर देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट से चार्टर्ड विमान के जरिए वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचा था। यहां श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जहां परिजनों, जनप्रतिनिधियों और शुभचिंतकों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। इसके बाद पार्थिव देह को राजघाट ले जाया गया, जहां से नाव के जरिए गंगा मार्ग से मणिकर्णिका घाट पहुंचाया गया। अंतिम यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दोनों बेटे पंकज सिंह और नीरज सिंह ने भी कंधा दिया।

घाट पर पहुंचने के बाद पार्थिव देह को गंगा स्नान कराया गया और वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की गईं।

अंतिम सफर में थल, जल और वायु तीनों मार्ग

जसपाल राणा की अंतिम यात्रा तीन अलग-अलग माध्यमों से पूरी हुई। शुक्रवार रात उनके पैतृक गांव मझोन में अंतिम दर्शन के बाद शनिवार को पार्थिव शरीर एम्बुलेंस के जरिए जौलीग्रांट एयरपोर्ट ले जाया गया। वहां से

एशियन गेम्स के लिए भारतीय शूटिंग टीम घोषित

मनु भाकर और ईशा सिंह दोनों पिस्टल इवेंट्स में खेलेंगे, पिछले साल 22 मेडल जीते थे

मुंबई। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने 20वें एशियन गेम्स के लिए भारत की राइफल और पिस्टल टीम घोषित कर दी है। इसमें 30 खिलाड़ी शामिल हैं। शॉटगन टीम पहले ही चुनी जा चुकी है।

जापान के आईची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होंगे। एशियाड के लिए जारी टीमें अगले महीने हांग्जो में होने वाले ढ्वस्स्न वर्ल्ड कप और अक्टूबर में काहिरा (मिस्र) वर्ल्ड कप में भी खेलेंगी।

मनु और ईशा डबल इवेंट्स में खेलेंगी

एनआरएआई की लिस्ट के मुताबिक, पेरिस ओलिंपिक की डबल मेडलिस्ट मनु भाकर और 2022 एशियन गेम्स की स्टार ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल दोनों इवेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। राइफल कैटेगरी में रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल और विदर्शा के. विनोद भी दो-दो इवेंट्स में खेलेंगे। एनआरएआई ने बताया कि टीम का चयन हाल ही में हुए 'नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स 4' के बाद नेशनल रैंकिंग और चयन नीति के आधार पर किया गया है।

10 मीटर एयर राइफल में युवा खिलाड़ियों पर भरोसा; ऐश्वर्य भी शामिल

मेन्स 10 मीटर एयर राइफल में रुद्राक्ष पाटिल के साथ युवा शूटर पार्थ राकेश माने और हिमांशु ढिल्लों को जगह मिली है। 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन इवेंट में रुद्राक्ष के साथ नीरज कुमार और वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर खेलेंगे।

विमेंस 10 मीटर एयर राइफल में इलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मास्कर और विदर्शा के. विनोद चुनौती पेश करेंगी। 50 मीटर 3 पोजीशन इवेंट में विदर्शा के साथ आशी चौकसे और तिलोत्तमा सेन को शामिल किया गया है।

पिस्टल में वर्ल्ड नंबर 2 सुरुचि शामिल; मिक्स्ड टीम की जोड़ियां भी तय

विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में मनु भाकर, ईशा सिंह और वर्ल्ड नंबर 2 सुरुचि इंदर सिंह शामिल हैं। यह तिकड़ी टीम मेडल की मजबूत दावेदार मानी जा रही है। 25 मीटर पिस्टल में मनु और ईशा के साथ 2018 एशियन गेम्स चैंपियन राही सरनोबत वापसी कर रही हैं। मेन्स 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में भारत की ओर

फिलीपींस में एवीसी वुमेंस कप में खेलती हुई कजाकिस्तान और वियतनाम की महिला टीमें।

श्रीलंका को 87 रन से हराया; व्याट-हॉज का शतक, फ्रेया केम्प को 4 विकेट

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप- मेजबान इंग्लैंड की जीत से शुरुआत

बर्मिंघम। मेजबान इंग्लैंड ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में अपने अभियान की शुरुआत जीत से की है। उसने शुक्रवार रात को ओपनिंग मैच में श्रीलंका को 87 रनों से हराया। बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। इंग्लैंड ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में एक विकेट पर 219 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 20 ओवर में 10 विकेट पर 132 रन ही बना सकी।

21 साल की फ्रेया केम्प ने अपने टी-20 वर्ल्ड कप डेब्यू मैच में 4 विकेट झटके। इंग्लिश ओपनर डैनी वायट-हॉज को शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इंग्लैंड ने विमेंस टी-20 वर्ल्डकप इतिहास का सबसे बड़ा टीम स्कोर बनाया। उसने अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर किया। उसने 2023 में केपटाउन में पाकिस्तान के खिलाफ 5 विकेट पर 213 रन बनाए थे। 35 साल की इस सीनियर बैटर ने टी-20 इंटरनेशनल में तीसरा शतक लगाया है। उन्होंने 33वीं बॉल पर चौका लगाकर हाफ सेंचुरी पूरी की। फिर ब्राजीलियन फुटबॉलर बेबेटो के स्टाइल में 'रॉक-ए-बेबी' (बच्चे को झुलाने वाला) सेलिब्रेशन किया। उन्होंने यह शतक अपनी बेटी डेजी को समर्पित किया। वायट-हॉज 8वां टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही हैं।

इंग्लिश ओपनर्स में 135 रनों की साझेदारी, जोन्स की फिफ्टी

मैच में श्रीलंका की कप्तान चमारी अट्टापटू ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। उन्होंने कहा था कि वे यहां की कंडीशंस से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। यहां एक दिन पहले बारिश भी हुई थी। हालांकि, यह फैसला गलत साबित हुआ।

इंग्लैंड की ओपनिंग जोड़ी व्याट-हॉज और एमी जोन्स (50 रन) ने शुरुआत से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 82 गेंदों पर 135 रनों की साझेदारी की। यह महिला टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है। काफ इंजरी (पैर की मांसपेशियों में खिंचाव) से वापसी कर रही इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने नाबाद 46 रनों की पारी खेली। 220 रन के टारगेट के सामने श्रीलंका की बैटिंग फेल 220 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंकाई टीम की बैटिंग फेल रही। उसकी शुरुआत खराब रही और लगातार विकेट गिरते रहे। इंग्लैंड के सभी छह गेंदबाजों को कप्तान ने शुरुआती 9 ओवरों में आजमाया। कप्तान चमारी अथापथु बड़ी पारी नहीं खेल पाई। उन्हें व्याट-हॉज ने डीप स्क्वायर लेग पर बाउंड्री के पास दौड़ते हुए बेहतरीन कैच पकड़कर आउट किया।

फ्रेया केम्प ने 4 गेंदों में 3 विकेट लिए

इंग्लैंड की बाएं हाथ की तेज गेंदबाज फ्रेया केम्प श्रीलंका के लोअर ऑर्डर (निचले क्रम) के लिए काल साबित हुईं। पीठ की चोट (स्ट्रैस फ्रैक्चर) से उबरने के बाद लौट रहीं केम्प ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 21 रन देकर 4 विकेट चटकाए। 4 गेंदों के अंदर 3 विकेट लेकर उन्होंने श्रीलंका की बची-खुची उम्मीदें खत्म कर दीं। मैच के आखिरी ओवर में अनुभवी स्पिनर सोफी एसलस्टोन ने बाकी 2 विकेट लेकर श्रीलंका की पारी समेट दी।

इस मैच के फैक्ट

डैनी व्याट-हॉज ने अपने महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का तीसरा शतक लगाते हुए इस प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में श्रीलंका की चमारी अथापथु, रोमानिया की रेबेका ब्लेक, तंजानिया की फातुमा किबासु, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज और दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट की बराबरी कर ली। इन सभी बल्लेबाजों के नाम टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 3-3 शतक दर्ज हैं। वहीं, महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 5 शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओझा के नाम है। डैनी व्याट-हॉज इंग्लैंड की दूसरी महिला क्रिकेटर बन गई हैं, जिन्होंने महिला टी-20 वर्ल्ड कप में शतक लगाया है। उनसे पहले यह उपलब्धि केवल इंग्लैंड की पूर्व कप्तान हीथर नाइट के नाम थी, जिन्होंने 2020 टी-20 वर्ल्ड कप में कैनबरा में थाईलैंड के खिलाफ नाबाद 108 रन की पारी खेली थी। अब डैनी ने एजबेस्टन में नाबाद 105 रन बनाकर इस खास सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया।

मां बनने के बाद व्याट-हॉज का पहला शतक

इंग्लिश ओपनर डैनी वायट-हॉज ने नाबाद 219 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने 62 गेंदों की पारी में 13 चौके और एक छक्का लगाया। वायट-हॉज ने मां बनने के बाद पहला शतक लगाया है।

58 गांवों से पहुंचे 500 से अधिक प्रतिनिधि, सामान्य, महिला और युवा प्रभाग को मिला नया नेतृत्व

गंगालूर में सर्व आदिवासी समाज की नई ब्लॉक इकाई गठित

बीजापुर/मूक पत्रिका

सर्व आदिवासी समाज के संगठन विस्तार अभियान के तहत रविवार को ग्राम चेरपाल में आयोजित बैठक में गंगालूर ब्लॉक इकाई का गठन किया गया। जिला अध्यक्ष जग्गूराम तेलामी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में 17 पंचायतों के 58 गांवों से पहुंचे 500 से अधिक सामाजिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान सामान्य, महिला एवं युवा प्रभाग के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से मनोनयन किया गया। बैठक में जिला सचिव कमलेश पैंकरा ने संगठन के संविधान एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए समाज की एकजुटता पर जोर दिया। गोंडवाना समन्वय समिति के जिला अध्यक्ष अमित कोरसा ने सामाजिक जागरूकता के साथ सड़क सुरक्षा नियमों, वाहन बीमा और ड्राइविंग लाइसेंस की अनिवार्यता पर बल दिया। वहीं गोंड समाज के जिला अध्यक्ष कामेश्वर दुब्बा ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बच्चों की नियमित स्कूल उपस्थिति तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। अध्यक्षीय उद्बोधन में जग्गूराम तेलामी ने पेसा कानून की महत्ता और आदिवासी अधिकारों पर प्रकाश डालते हुए जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए समाज को संगठित रहने का आह्वान किया। उन्होंने नवमनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने की जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया।बैठक में सामान्य प्रभाग के लिए सन्नू हेमला को अध्यक्ष, रवि नाइक, संदीप हेमला, रमेश हपका एवं गुड्डू मोडीयम को उपाध्यक्ष, मनीष पुनेम को सचिव, भैरम राना एवं बुधरु लेकाम को सह सचिव तथा बिट्टू माड़वी को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।महिला प्रभाग में सावित्री हपका को अध्यक्ष, पायल हेमला, मालती ताती, सरिता हेमला एवं सरिता अवलम को उपाध्यक्ष, संगीता राना को सचिव, रानी पुनेम को सह सचिव तथा सरोजनी ताती को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसी प्रकार युवा प्रभाग में रैनू ओयाम को अध्यक्ष, छोटू लेकाम, अशोक ताती, राकेश कुरसम एवं बुधराम रैयाम को उपाध्यक्ष, रमेश फरसा को सचिव, विनोद कुरसम को सह सचिव, सुमित ताती को कोषाध्यक्ष, अनिल कोरसा एवं लक्ष्मण भोगाम को कार्यकारिणी सदस्य तथा बिट्टू माड़वी को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक के अंत में समाज हित, सामाजिक जागरूकता और संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया तथा आगामी 19 जून दिन शुक्रवार को नव नियुक्त पदाधिकारियों के चेरपाल में पद और गोपनीयता के शपथ कार्यक्रम की तिथि तय कर समापन किया गया।

12 साल की विकास यात्रा को प्रदर्शनी में किया प्रदर्शित

मोदी सरकार के सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर तीन दिवसीय आयोजन शुरू

बीजापुर/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा ÷12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के÷ विषय पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ रविवार को किया गया। मैन रोड स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल के सामने आयोजित प्रदर्शनी में केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आकर्षक तरीके से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग ने किया। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार, जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक फूलचंद गागड़ा, जिला महामंत्री संजय लुकंड, प्रदर्शनी संयोजक संजय गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अशोक राव सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और विभिन्न मोर्चा-प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर पिछले 12 वर्षों के दौरान देश और प्रदेश में हुए विकास कार्यों की जानकारी ली। प्रदर्शनी में आधारभूत संरचना विकास, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, युवाओं के लिए रोजगार एवं अवसरों के सृजन तथा सुशासन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को चित्रों और विवरणों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। भाजपा पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों से परिचित कराना है, ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकें। प्रदर्शनी आगामी तीन दिनों तक आम नागरिकों के लिए खुली रहेगी।

उड़ीसा जा रही थार से 9.92 लाख नगद जब्त, रकम के वैध दस्तावेज नहीं, सरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की सरिया पुलिस को वाहन चेकिंग के दौरान एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कंचनपुर बैरियर पर घेराबंदी कर सरिया की तरफ से उड़ीसा जा रही एक लाल रंग की थार गाड़ी से करीब ?9 लाख 92 हजार की संदिग्ध नगदी बरामद की है। कार चालक इस भारी-भरकम रकम को ले जाने के संबंध में पुलिस के सामने कोई भी वैध दस्तावेज या कागजात पेश नहीं कर सका। पुलिस ने नगदी के साथ थार वाहन को भी जब्त कर लिया है और आगे की जांच के लिए मामला आयकर विभाग को सौंप दिया है। 13 जुन को अति.पुलिस अधीक्षक महोदया के आदेशानुसार एवं उप पुलिस अधीक्षक महोदय मुख्यालय सारंगढ़ के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी एन0एल0 राठिया के नेतृत्व में कंचनपुर बैरियर में एम.सी.पी लगाकर थाना स्टाफ सउनि सुमन कुमार चौहान, सउनि मोतीलाल डनसेना प्र0आर0 सुरेन्द्र सिदार, प्र0आर0 विजय यादव, आरक्षक लक्ष्मीनारायण पटेल, आरक्षक नर्मदा यादव, आरक्षक मुकेश कश्यप दिलीप साह के साथ वाहन चेकिंग किया जा रहा था जो वाहन चेकिंग दौरान 19:45 बजे रात्रि लाल रंग के थार वाहन क्रमांक ओडी 17 एए 9999 जो सरिया तरफ से उडीसा की ओर जा रही थी जिसे रोककर चेक करने पर वाहन में चालक लक्ष्मण मंचम पिता सुरी बाबू उम्र 24 वर्ष साकिन प्रधानपाली थाना बरपाली जिला बरगढ़ (उड़ीसा) मिला जिसे पूछताछ करने पर भूलक्ष्मी सिड्स कपनी प्रधानपाली पोस्ट आफिस पाथकुंदा थाना बरपाली जिला बरगढ़ उड़ीसा में काम करना बताया तथा पचगांव उडीसा से नगदी रकम 9,92, 900/- रूपये बैग में रखकर उड़ीसा प्रधानपाली जाना बताया जिसे उक्त रकम को रखने व ले जाने के संबंध में वैध दस्तावेज पेश करने हेतु मौके पर धारा 94 बीएनएसएस का नोटिस गवाहों के समक्ष दिया गया जिसके द्वारा कोई कागजात नही होना बताया गया। गवाहों के समक्ष कोई कागजात पेश नहीं करने से नगदी रकम 9,92,900/-रूपये को बरामद किया जाकर गवाहों के समक्ष धारा 106 बीएनएसएस के तहत् जप्त किया गया एवं मौके पर सीलबंद किया गया एवं एवं थार वाहन क्रमांक ओडी 17 एए 9999 को भी जप्त किया गया तथा जप्त किया गया अग्रिम जांच के लिए आयकर विभाग बिलासपुर को हस्तांतरित किया जाता है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक एन0एल0 राठिया सउनि सुमन कुमार चौहान, संउनि मोतीलाल डनसेना, प्र0आर0 सुरेन्द्र सिदार, प्र0आर0 विजय यादव, आरक्षक लक्ष्मीनारायण पटेल, आरक्षक नर्मदा यादव, आरक्षक मुकेश कश्यप, दिलीप साह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लैलूंगा में नहर निर्माण के नाम पर लाखों का गड़बड झाला

6 महीने में उखड़ा कांक्रीट, अब लीपापोती में जुटा विभाग

रायगढ़/मूक पत्रिका

सरकारी खजाने को कैसे पलीता लगाया जाता है, इसकी जीती-जागती मिसाल लैलूंगा क्षेत्र में चल रहे केनाल लाइनिंग निर्माण कार्य में देखी जा सकती है। जल संसाधन विभाग की नाक के नीचे लाखों रुपये की लागत से बनी नहर की कांक्रीट 6 महीने भी नहीं टिक पाई। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि जो काम कुछ महीने पहले ही पूरा हुआ था, वह अब जगह-जगह से दरकने और उखडने लगा है। अब अपनी नाकामी और कमीशनखोरी को छिपाने के लिए ठेकेदार और विभाग पैचवर्क (मरम्मत) का खेल खेल रहे हैं। लैलूंगा विकासखंड के जामबाहर, लैलूंगा, कुंजारा, रेंगड़ी, गोसाईडीह समेत कई गांवों से होकर गुजरने वाली इस केनाल का लाइनिंग कार्य पिछले एक साल से चल रहा है। शुरुआत से ही ग्रामीण और स्थानीय जनप्रतिनिधि घटिया सामग्री और तकनीकी मानकों की अनदेखी की शिकायत कर रहे थे। लेकिन जिम्मेदार विभाग ने आंखें मूंदे रखीं। नतीजा यह है कि आज लाखों-करोड़ों की लागत से बिछाई गई कांक्रीट दरक चुकी है। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि जिन हिस्सों में नहर टूट चुकी है, वहां अब आनन-फनन में मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि यह मरम्मत नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की दरारों पर पर्दा डालने की कोशिश है। अगर निर्माण में सही तकनीकी मानकों का पालन हुआ होता, तो महज कुछ महीनों में नहर की यह दुर्दशा नहीं होती। यह साफ दर्शाता है कि निर्माण के दौरान गुणवत्ता नियंत्रण और मॉनिटरिंग पूरी तरह से फेल रही है। इस मुद्दे को पहले भी प्रमुखता से उठाया जा चुका है, लेकिन जल संसाधन विभाग के अफसरों ने वातानुकूलित कमरों से बाहर निकलकर मौके का मुआयना करना तक जरूरी नहीं समझा। जिला प्रशासन की खामोशी पर सवालः लगातार शिकायतों के बाद भी जिला प्रशासन का रवैया ढुलमुल है। ग्रामीणों का कहना है कि किसी आम आदमी का मामला होता तो तुरंत डंडा चल जाता, लेकिन जब मामला सरकारी फंड की बंदरबांट का है, तो सबने मौन साध लिया है। क्या निर्माण एजेंसी, इंजीनियरों और अफसरों के बीच कोई गहरी साठगांठ है?

जनता की मांग: उच्च स्तरीय तकनीकी जांच हो

लैलूंगा क्षेत्र के ग्रामीणों ने कलेक्टर, संभागीय आयुक्त और राज्य शासन से इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच की मांग की है। निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता की जांच हो। अब तक हुए भुगतान और वर्क ऑर्डर के दस्तावेजों का ऑडिट किया जाए।भ्रष्टाचार की पुष्टि होने पर दोषी अधिकारियों, इंजीनियरों और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई हो।

रायगढ़ जेल के विचाराधीन बंदी की संदिग्ध मौत, मचा हड़कंप! परिजनों का आरोप- 'जेल में बेटे को बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला'

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिला जेल में शराब मामले में बंद कोतरा रोड थाना क्षेत्र के ग्राम नवापारा निवासी विचाराधीन बंदी संजय बघेल (25) की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

बंदी की मौत की खबर मिलते ही आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा मचाया और जेल प्रशासन पर अंदर बेरहमी से मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, संजय को कुछ दिन पूर्व ही शराब से जुड़े मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल प्रबंधन ने अचानक तबीयत बिगड़ने का हवाला देते हुए उसे अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उसकी सांसें थम गई. इस घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिस और जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पिता का सीधा आरोप है कि तीन दिन पहले पुलिस ने उनके बेटे और उसके एक अन्य साथी को शराब बेचने के आरोप में पकड़ा था। परिजनों का दावा है कि पुलिस ने साथी को कथित तौर पर 40 हजार रुपये लेकर छोड़ दिया, जबकि संजय को जेल भेज दिया गया।

पिता के अनुसार जेल के भीतर उनके बेटे के साथ बुरी तरह मारपीट की गई, जो अंततः उसकी मौत का कारण बनी। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सरपंच ने की सीसीटीवी फुटेज खंगालने की मांग

गांव के युवक की मौत की खबर फैलते ही नवापारा के सरपंच नंदकुमार भी ग्रामीणों और परिजनों के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में जेल अधिकारियों की घोर लापरवाही की ओर इशारा किया है। संजय जब जेल गया तो बढ़िया था जेल के अंदर ऐसा क्या हुआ कि उसकी मौत हो गई। मृतक की लाश को भी हमको नहीं दिखाया जा रहा है। सरपंच ने स्पष्ट मांग की है कि यदि संजय की मौत जेल के अंदर हुई किसी अप्रिय घटना का परिणाम है, तो तत्काल जेल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की बारीकी से जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस मामले में जेल प्रबंधन और संलिप्त दोषियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। आक्रोशित परिजन फिलहाल अस्पताल में डटे हुए हैं और प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी निगाहें

घटना के बाद से ही मेडिकल कॉलेज में तनाव का माहौल बना हुआ है। एक विचाराधीन बंदी की इस तरह अचानक हुई मौत ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गहरे सवालिया निशान लगा दिए हैं। हंगामा कर रहे परिजनों को शांत कराने के लिए पुलिस अधिकारी समझाइश देने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल खबर लिखे जाने तक जेल प्रबंधन या जिला प्रशासन की तरफ से मौत के स्पष्ट कारणों को लेकर कोई भी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अब सभी की निगाहें पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिसके आने के बाद ही मौत की असली वजहों का पर्दाफाश हो सकेगा

भिमखोलिया के आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

एकीकृत बाल विकास परियोजना सारंगढ़ द्वारा पोर्टल https://aww.e-bharti.in/में ग्राम पंचायत बैगीनडीह के आश्रित ग्राम भिमखोलिया में आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आवेदन 15 जून 2026 तक ऑनलाइन आमंत्रित किया गया है। आंगनबाड़ी सहायिका के लिए योग्यता 8वी उत्तीर्ण निर्धारित है। आवेदिका की उम्र 18 से 44 वर्ष तक होनी चाहिए। सभी दस्तावेज, 8वी की अंकसूची, वोटर आईडी, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड आदि के फोटोकॉपी में स्वयं के हस्ताक्षर कर स्वप्रमाणित कर आवेदन पत्र में संलग्न किया जाना अनिवार्य है। इन दोनों भर्ती के लिए आवेदिका को संबंधित गांव का निवासी होना चाहिए। मतदाता सूची में नाम दर्ज हो या सरपंच और सचिव दोनों का सयुंक्त हस्ताक्षरयुक्त या पटवारी का हस्ताक्षर का निवास प्रमाण पत्र होना चाहिए।

धरमजयगढ़ में कंप्यूटर शिक्षा के नाम पर बड़ा विवाद, युवती ने लगाए ठगी के आरोप

धरमजयगढ़ में कंप्यूटर संस्थान पर धोखाधड़ी का आरोप: फीस ली, न एडमिशन हुआ न मिला रिजल्ट, युवती ने उठाए गंभीर सवाल

रायगढ़/मूक पत्रिका

धरमजयगढ़ में संचालित कंप्यूटर संस्थान के छात्रों से धोखाधड़ी का मामला सामने आया हैं। एक कंप्यूटर संस्थान संकल्प कंप्यूटर पर एक युवती ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उससे कोर्स के नाम पर फीस ली गई, लेकिन न तो उसका विधिवत एडमिशन किया गया और न ही उसे किसी प्रकार का रिजल्ट या प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया। युवती का आरोप है कि संस्था की लापरवाही और अनियमितताओं के कारण उसका समय करीब 3 साल और पैसा दोनों बर्बाद हुए हैं। अगर उसके द्वारा एक शिक्षक को पेमेंट नहीं किया गया होता तब सस्था के संचालक यकीन ही नहीं करते। कंप्यूटर संस्थान का एक शिक्षक अगर ऐसा करता हैं तब सवाल संस्थान पर खड़ा होता हैं कि उन्होंने किस आधार पर ऐसे शिक्षक को कार्य में रखा। वही युवती नें कहा की वह नियमित कक्षा जा रही थी। अब सवाल खड़ा हो रहा तब किसी नें उसका एडमिशन से सम्बंधित जानकारी क्यों नहीं लीं कही संस्थान संचालक और शिक्षक की मिलीभगत तों नहीं? मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में कंप्यूटर संस्थानों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

एक मामला सामने आया, तो कितने छात्र होंगे पीड़ित?

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि एक युवती के साथ इस प्रकार की स्थिति बनी है तो यह जांच का विषय है कि कहीं अन्य छात्र-छात्राएं भी इसी तरह की समस्याओं का सामना तो नहीं कर रहे हैं। कंप्यूटर शिक्षा और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के नाम पर बड़ी संख्या में युवा ऐसे संस्थानों में प्रवेश लेते हैं। ऐसे में यदि छात्रों से फीस लेने के बाद उन्हें उचित सुविधा, एडमिशन, परीक्षा या रिजल्ट नहीं दिया जा रहा है तो यह सीधे तौर पर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ माना जाएगा। मामले ने अभिभावकों की चिंता भी बढ़ा दी है।

संस्था संचालक ने कहा– टीचर ने फीस ली, पर छात्रा को न्याय कैसे मिलेगा?

मामले को लेकर जब संस्थान के संचालक जादूमड़ी से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि संबंधित फीस किसी शिक्षक द्वारा ली गई थी। संचालक का कहना है कि छात्रा को उसका पैसा वापस कराया जाएगा। हालांकि यह सवाल अभी भी बना हुआ है कि यदि फीस संस्थान के नाम पर ली गई थी तो उसकी जवाबदेही आखिर किसकी है। वहीं जब संचालक से पूछा गया कि जिस शिक्षक पर आरोप लग रहे हैं, उसके खिलाफ संस्थान द्वारा एफआईआर दर्ज कराई जाएगी या नहीं, तो उन्होंने कहा कि कार्रवाई की जाएगी। हालांकि अब यह देखना होगा कि यह कार्रवाई केवल बयान तक सीमित रहती है या वास्तव में कोई कानूनी कदम उठाया जाता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।